दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik

asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 143 ■ दमण, सोमवार 23, फरवरी 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

LAST DAY OF PUBLICATION OF ASLI AZADI: 31/03/2026

31/03/2026 वर्तमान मैनेजमेंट द्वारा संचालित असली आजादी दैनिक के प्रकाशन का आखिरी दिन है। असली आजादी दैनिक ने दो दशक से ज़्यादा आप सबकी निरंतर सेवा की है। इस पूरी यात्रा में असली आजादी दैनिक के वर्तमान मैनेजमेंट की ओर से जाने- अनजाने में कोई भूल या गलती हुई है तो इसके लिए हम क्षमा मांगते हैं।

आप सभी के अब तक के स्नेह और सहयोग के लिए धन्यवाद।

संपादक

असली आजादी (दैनिक)

पीएम मोदी ने भारत के पहले नमो भारत आरआरटीएस का उद्घाटन कर दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर राष्ट्र को किया समर्पित

आज विश्व के कई विकसित देश भारत के साथ व्यापार समझौते कर रहे हैं: पीएम मोदी

■ आज उत्तर प्रदेश और पूरा देश विश्व स्तरीय अवसंरचना के एक नए युग का साक्षी बन रहा है: पीएम मोदी ■ मेरठ मेट्रो, नमो भारत ट्रेन और क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली (आरआरटीएस) के नए खंड के उद्घाटन से एनसीआर के लोगों का जीवन और भी सरल, सुगम और सुविधाजनक हो जाएगा: प्रधानमंत्री ■ हमारी कार्य संस्कृति ऐसी है कि एक बार किसी कार्य की नींव रख दी जाए, तो उसे पूरा करने के लिए दिन-रात काम किया जाता है, यही कारण है कि अब परियोजनाएं पहले की तरह लंबित नहीं रहती: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज मेरठ में नमो भारत रैपिड रेल और मेरठ मेट्रो मार्ग का उद्घाटन किया और इस परियोजना को 'विकसित उत्तर प्रदेश' और 'विकसित भारत' के लिए नई ऊर्जा का स्रोत बताया। यह भारत में पहली बार है जब एक ही मंच से एक ही दिन रैपिड रेल और मेट्रो सेवा दोनों का शुभारंभ किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह परियोजना विकसित भारत में संपर्क का एक शानदार उदाहरण प्रस्तुत करती है। एकीकृत प्रणाली शहर के भीतर यात्रा के लिए मेट्रो और ''जुड़वां शहरों'' की परिकल्पना को गति देने के लिए नमो भारत ट्रेनों का उपयोग करती है। डबल इंजन वाली सरकार की कार्यशैली का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अब परियोजनाएं अधर में नहीं लटकती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार जिस कार्य की नींव रखती है, उसे पूरा करती है क्योंकि उन्होंने स्वयं इन सेवाओं की नींव रखी है और इनका उद्घाटन किया है। अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री ने मेरठ मेट्रो में यात्रा की और छात्रों और यात्रियों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने इस परियोजना को 'नारी-शक्ति' का प्रतीक बताते हुए इसकी सराहना की और कहा कि अधिकांश ट्रेन संचालक और स्टेशन नियंत्रण कर्मचारी महिलाएं हैं। उन्होंने देश की पहली नमो भारत रैपिड रेल सेवा के लिए उत्तर प्रदेश के लोगों को बधाई दी। मेरठ से अपने विशेष जुड़ाव को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014, 2019 और 2024 के उनके राष्ट्रीय चुनाव अभियान इसी क्रांतिकारी भूमि से शुरू हुए थे। उन्होंने क्षेत्र के किसानों, कारीगरों और उद्यमियों को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। श्री मोदी ने कहा, ''2014 से पहले मेट्रो सेवाएं केवल 5 शहरों तक ही सीमित थीं, लेकिन अब 25 से अधिक शहरों में मेट्रो चल रही है जिससे भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बन गया है।'' उन्होंने आगे कहा, ''इस परियोजना की एक अनूठी विशेषता सराय काले खान, आनंद विहार, गाजियाबाद और मेरठ में भारतीय रेलवे, मेट्रो और बस स्टैंडों का एकीकरण है। भारत में पहली बार नमो भारत और मेट्रो रेल एक ही ट्रैक और स्टेशन पर चलेंगी।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि इस एकीकरण से यात्रियों को शहर के भीतर यात्रा करने या सीधे दिल्ली जाने की सुविधा मिलेगी जिससे कई श्रमिकों और छात्रों की दिल्ली में किराए के मकानों में रहने की मजबूरी खत्म हो जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा, ''सरकार द्वारा आधुनिक अवसंरचना में किया गया निवेश–जिसमें एक्सप्रेसवे, माल ढुलाई गलियारे और जेवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा शामिल हैं–व्यापक रोजगार के अवसर पैदा कर रहा है। ये परियोजनाएं क्षेत्र में नए उद्योगों और व्यवसायों को आकर्षित कर रही हैं।'' उत्तर प्रदेश को श्रम और सृजन की भूमि बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य के किसान और कारीगर विरासत और विकास के मंत्र को सफलतापूर्वक साकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की वैश्विक शक्ति बढ़ने के साथ ही विकसित देश भारत की युवा शक्ति का लाभ उठाने के लिए व्यापार समझौते करने को उत्सुक हैं। श्री मोदी ने कहा, ''आज विश्व भारत को 21वीं सदी की चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम एक महाशक्ति के रूप में देखती है, जिससे उत्तर प्रदेश के नागरिक सीधे लाभान्वित होते हैं।'' प्रधानमंत्री ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि इस वर्ष के केंद्रीय बजट में शामिल 10,000 करोड़ रुपये के विशेष कोष का प्रावधान किया गया है जिससे एमएसएमई के लिए ऋण लेना आसान हो जाएगा। उन्होंने बुनकरों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचने में मदद करने के लिए महात्मा गांधी ग्राम स्वराज योजना का भी उल्लेख किया। कूरियर के माध्यम से माल भेजने की 10 लाख रुपये की सीमा समाप्त कर दी गई है। इससे मेरठ और पूरे उत्तर प्रदेश के छोटे उद्यमी ऑनलाइन ऐप के माध्यम से सीधे अमेरिका और यूरोप के ग्राहकों को अपना माल बेच सकेंगे। पीएम मोदी ने कहा, ''चौधरी चरण सिंह जी की दूरदृष्टि को सम्मान देते हुए सरकार ने उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया। उनसे प्रेरित होकर, डबल इंजन वाली सरकार खाद्य प्रसंस्करण और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए काम कर रही है। इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश के किसानों को लगभग 95,000 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं।'' प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के दौर से निकलकर आज ब्रह्मोस, मोबाइल निर्माण और पर्यटन को मिली पहचान तक का सफर बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आज अपराधी जेल में हैं, बेटियों की गरिमा सुरक्षित है और कानून व्यवस्था में सुधार से अर्थव्यवस्था में जबरदस्त उछाल आया है और विनिर्माण क्षेत्र में तेजी आई है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन का समापन करते हुए कहा, ''उत्तर प्रदेश एक विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है, और हाल ही में राज्य के पहले सेमीकंडक्टर कारखाने की नींव रखी गई है। एक विकसित भारत के लिए एक विकसित उत्तर प्रदेश आवश्यक है।

दमण पुलिस ने बिहार के नक्सली मनोज हांसदा को दमण से किया गिरफ्तार

■ हत्या सहित कई अन्य अपराधिक मामले हैं दर्ज: ट्रांजिट रिमांड पर बिहार पुलिस मनोज को लेकर बिहार के लिए हुई रवाना

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 22 फरवरी। दमण पुलिस ने डाभेल क्षेत्र से बिहार के एक मोस्ट वांटेड नक्सली मनोज हांसदा को गिरफ्तार किया है। मनोज के विरूद्ध बिहार में हत्या सहित कई अन्य अपराधिक मामले दर्ज हैं। साथ ही मनोज हांसदा एक सक्रिय नक्सली ग्रुप से भी जुड़ा हुआ है। पुलिस द्वारा जारी प्रेसनोट में बताया गया है कि बिहार के सशस्त्र सीमा बल ने दमण के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देते हुए बताया कि बिहार का कथित नक्सली मनोज हांसदा, पुत्र मंगरू हांसदा दमण के डाभेल क्षेत्र में रूका हुआ है। दमण पुलिस की क्राइम ब्रांच एवं साइबर सेल ने 20 फरवरी को रात 10 बजे करीब 25 कर्मियों की टीम बनाकर डाभेल की विभिन्न चाल में सर्च अभियान चलाया। ऑपरेशन पूरी रात चला, इस दौरान लगभग 100 कमरों की चेकिंग और वेरिफिकेशन की गई। ऑपरेशन के दौरान, मनोज हांसदा को ढूंढ उससे पूछताछ करने के बाद सत्यापन हेतु सुरक्षित डाभेल पुलिस स्टेशन लाया गया। पूछताछ के दौरान, मनोज हंसदा ने बिहार राज्य में पंजीकृत अपराधों में अपने शामिल होने का खुलासा किया। उसकी पहचान और क्रिमिनल रिकॉर्ड की जांच के लिए उसकी तस्वीरें और शुरुआती जानकारी चरकापत्थर पुलिस स्टेशन, जिला जमुई, बिहार के साथ-साथ सीमा सशस्त्र बल, बिहार के साथ शेयर की गईं। दोनों एजेंसियों ने उसकी पहचान कंफर्म की और वेरिफाई किया कि वह साल 2025 में रजिस्टर्ड एक मर्डर केस के साथ-साथ दूसरे क्रिमिनल मामलों में भी शामिल है और वह बिहार राज्य में एक्टिव एक नक्सली ग्रुप से जुड़ा है। इसके बाद बिहार के चरकापत्थर पुलिस स्टेशन से एक पुलिस टीम के आने पर, सभी जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद मनोज हंसदा की अधिकारिक हिरासत सौंप दी गई। दमण कोर्ट ट्रांजिट रिमांड पर बिहार पुलिस नक्सली मनोज को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए बिहार राज्य ले गई।

दमण के रिंगणवाडा औद्योगिक विस्तार में हथियारधारी बदमाशों ने कंपनी में घुसकर मचाई लूट

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 22 फरवरी। दमण के रिंगणवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र में बीती रात एक बड़ी लूट की घटित हुई है। मिली जानकारी के अनुसार बीती रात 8 से 10 हथियारबंद बदमाश एक आइसर टेंपो में सवार होकर रिंगणवाडा औद्योगिक विस्तार स्थित दमण वायर एंड इंसुलेशन और नेशनल कंडक्टर्स नामक दो इंडस्ट्रियल यूनिट्स में घुस गए। बदमाशों ने शटर तोड़कर फैक्ट्री में प्रवेश किया। उस समय अंदर नाइट शिफ्ट में काम चल रहा था। जब मजदूरों ने विरोध करने की कोशिश की तो लुटेरों ने उन पर हमला कर दिया। एक युवक के हाथ-पैर और मुंह को रस्सी से बांधकर उसे बंधक बना लिया गया और उसका मोबाइल छीन लिया गया। उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। वहीं दूसरे मजदूर पर लोहे की रॉड से सिर पर वार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। लुटेरे इतने शातिर थे कि पहचान छुपाने के लिए फैक्ट्री परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ डाले। इसके बाद कॉपर वायर और अन्य सामान लूटकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही दमण पुलिस मौके पर पहुंची और घायल मजदूर को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें गठित कर जांच तेज कर दी है।

शरद पवार की फिर बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में किया भर्ती, डॉक्टर कर रहे निगरानी

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के संस्थापक शरद पवार को रविवार को फिर पुणे के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिछले कुछ दिनों से उनकी सेहत में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। उनकी बेटी और बारामती की सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी पुष्टि की है। जानकारी के मुताबिक शरद पवार पिछले कुछ दिनों से खांसी और गले के संक्रमण से जूझ रहे थे। शनिवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वे अपने आवास पर थे, लेकिन रविवार सुबह उन्हें अत्यधिक कमजोरी और शरीर में पानी की कमी महसूस हुई। डॉक्टरों की सलाह पर परिवार ने उन्हें तुरंत जांच और चिकित्सकीय देखरेख के लिए अस्पताल में भर्ती करने का निर्णय लिया। सुप्रिया सुले ने एक्स पर लिखा- हम बाबा को फॉलो-अप टेस्ट और हाइड्रेशन के लिए पुणे के अस्पताल में भर्ती कर रहे हैं। हम सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों का आभार व्यक्त करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 85 साल के शरद पवार को पिछले हफ्ते भी इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस समय उन्हें सांस लेने में कठिनाई और सीने में संक्रमण की शिकायत थी। डॉक्टरों ने उन्हें एंटीबायोटिक्स का पांच दिनों का कोर्स दिया और शनिवार को ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। हालांकि, डॉक्टरों ने उन्हें 3-4 दिन पूर्ण विश्राम की सलाह दी थी, लेकिन उनकी स्थिति में सुधार न होने के कारण उन्हें दोबारा भर्ती करना पड़ा। बता दें हाल ही में पवार परिवार पर आए दुखों के पहाड़ ने भी वरिष्ठ नेता के स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाला है। जनवरी के अंत में एक विमान हादसे में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और उनके भतीजे अजित पवार के असामयिक निधन के बाद से शरद पवार बारामती में परिवार को संभालने में व्यस्त थे। इस दौरान हुई भागदौड़ और मानसिक तनाव ने उनकी सेहत पर प्रतिकूल असर डाला है। डॉक्टरों के मुताबिक शरद पवार की स्थिति फिलहाल स्थिर है। उनके महत्वपूर्ण अंगों की स्थिति सामान्य है, लेकिन उम्र और संक्रमण को देखते हुए उन्हें विशेष निगरानी में रखा गया है।

भारतीय तटरक्षक बल की बड़ी कार्रवाई : अरब सागर में 5 करोड़ की विदेशी सिगरेट जब्त, 4 ईरानी गिरफ्तार

अहमदाबाद (एजेंसी)। अरब सागर में घुसपैठ और तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए भारतीय तटरक्षक बल ने एक विशेष अभियान के दौरान विदेशी ब्रांड की सिगरेट से भरी संदिग्ध नाव को पकड़ा है। इस कार्रवाई में 4 ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देवभूमि द्वारका से करीब 115 किलोमीटर दूर भारतीय समुद्री सीमा के फॉरवर्ड एरिया में नियमित गश्त के दौरान तटरक्षक बल की टीम को एक संदिग्ध नाव दिखाई दी। शक होने पर जब नाव को रोका गया और तलाशी ली गई तो पता चला कि अल मुख्तार नाम की यह नाव विदेशी सामान की तस्करी में लिप्त थी। जांच के दौरान नाव से विदेशी ब्रांड की सिगरेट के करीब 200 बड़े कार्टन बरामद किए गए। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस खेप की अनुमानित कीमत लगभग 5 करोड़ रुपये बताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान नाव पर सवार 4 ईरानी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। उनके पास से प्रतिबंधित थुराया सैटेलाइट फोन और 8 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार किए गए सभी ईरानी नागरिकों और जब्त नाव को आगे की जांच के लिए पोरबंदर जेट्टी लाया गया है। सुरक्षा एजेंसियां अब इस तस्करी के पीछे सक्रिय बड़े नेटवर्क की जांच में जुट गई हैं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि सिगरेट की यह खेप गुजरात या किसी अन्य राज्य के तट पर उतारने की योजना थी।

किश्तवाड़ में जैश के 2 आतंकी ढेर, सुरक्षाबलों ने आतंकियों के ठिकाने को ब्लास्ट किया

कश्मीर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चतरू इलाके में रविवार सुबह से सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। आधिकारियों ने 2 आतंकियों के ढेर होने की पुष्टि की है। सुरक्षाबलों ने उस ठिकाने को ही ब्लास्ट कर दिया, जहां आतंकी छिपे हुए थे। एनकाउंटर अभी भी जारी है। अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के 2 से 3 आतंकियों के यहां पर छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तभी आतंकियों ने फायरिंग कर दी। इससे पहले 4 फरवरी को भी चतरू में ही सुरक्षाबलों ने जैश के ही एक आतंकी को मार गिराया था। वहीं, उधमपुर जिले में भी गुफा में छिपे जैश के 2 आतंकियों को ग्रेनेड विस्फोट में मार गिराया गया था।

34 साइबर ठग अरेस्ट, 45 फरार

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के 'मिनी जामताड़ा' में साइबर ठगों को पकड़ने के लिए एक बार फिर 240 से अधिक पुलिसकर्मियों ने छापेमारी की। 20 से अधिक गाडियों से पुलिसकर्मियों के साथ एसपी पहुंचे और दो टीमें बनाकर दो गांवों में रेड किए। पुलिस टीम को देखते ही गांव में भगदड़ मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। कुछ खेतों में छिप गए। पुलिस ने उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पकड़ा। घरों की तलाशी ली गई। रविवार सुबह पुलिस ने विशंभरा और झंझावली गांव में रेड किए। करीब 5 घंटे तक चली कार्रवाई में पुलिस ने 34 लोगों को हिरासत में लिया। एसपी सुरेश चंद्र रावत के अनुसार, पुलिस को देखने के बाद 45 लोग फरार हो गए। 5 गाडियां भी जब्त की गई हैं। दरअसल, मथुरा के बॉर्डर क्षेत्र के करीब करीब 8-10 गांव ऐसे हैं जो साइबर ठगी का गढ़ माना जाता है। यहां साइबर ठगी का बड़ा नेटवर्क है जोकि देश-विदेशों में ठगी का अंजाम देता है।

दबंगों ने दलित परिवार का छप्पर फूंका

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में दबंगों ने दलित परिवार के घर के बाहर छप्पर में आग लगा दी। खौफ पैदा करने के लिए चार राउंड हवाई फायरिंग की। दरअसल, ट्रैक्टर निकालने के दौरान छप्पर टूट गया। इस पर दलित परिवार ने आपत्ति की। आरोप है कि कहासुनी के बाद दबंगों ने लाठी-डंडों से मारपीट की और फिर छप्पर में आग लगा दी। घटना कानपुर के सजेती थाना क्षेत्र के मढ़ापुर गांव की है। इस मारपीट में एक ही परिवार के पांच लोग घायल हुए हैं, जबकि बीच-बचाव करने पहुंचे दो पड़ोसी भी चोटिल हुए। जानकारी मिलने के बाद विधायक सरोज कुरील ने अस्साल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना।

कर्नाटक सरकार 16 साल से कम उम्र के छात्रों के मोबाइल इस्तेमाल पर लगाएगी बैन

-सीएम सिद्धारमैया ने सभी सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से मांगी राय

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार 16 साल से कम उम्र के छात्रों के मोबाइल फोन इस्तेमाल पर बैन लगाने पर विचार कर रही है। राज्य के सीएम सिद्धारमैया ने इस विषय पर सभी सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से राय मांगी है। सरकार का ये कदम छात्रों में बढ़ती सोशल मीडिया की लत और नशीली दवाओं के संपर्क में आने के खतरों को रोकने के लिए उठाया जा रहा है। सीएम ने ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य देशों के उदाहरण देते हुए छात्रों के व्यवहार, शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य पर मोबाइल के प्रभाव को लेकर गहरी चिंता जताई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम सिद्धारमैया ने सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक में इस विषय पर राय मांगी है। सीएम ने बैठक में जोर देकर कहा कि आज हम इस पर चर्चा कर रहे हैं कि बच्चे आज सोशल मीडिया के प्रति जुनूनी हो रहे हैं जो उनके भविष्य के लिए चिंताजनक है। उन्होंने कुलपतियों से चर्चा करते हुए कहा कि मोबाइल के जरिए बच्चे नशीली दवाओं के शिकार भी हो रहे हैं। सरकार का मानना है कि मोबाइल फोन के अनियंत्रित इस्तेमाल से छात्रों की शिक्षा और उनके आचरण पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए ही नाबालिग छात्रों के लिए कैंपस में मोबाइल बैन करने पर विचार किया जा रहा है।

बैठक में सीएम ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया समेत कई अन्य देश पहले ही छात्रों के लिए मोबाइल फोन पर बैन लगा चुके हैं। इसी तर्ज पर कर्नाटक सरकार भी नाबालिग छात्रों को मोबाइल से दूर रखकर उनके मानसिक स्वास्थ्य को सुरक्षित करना चाहती है। सीएम ने साफ किया कि चूंकि कुलपति शिक्षा के क्षेत्र में गहरी समझ रखते हैं, इसलिए उनकी राय इस नीति को लागू करने में अहम भूमिका निभाएगी। सरकार अब इन विशेषज्ञों की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही है, ताकि अंतिम फैसला लिया जा सके।

रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार हुए भाजपा विधायक चंद्रू लमानी, अब राजनीति में मचा हड़कंप

बेंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक में भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लोकायुक्त पुलिस ने शिरहट्टी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक चंद्रू लमानी को गिरफ्तार कर लिया है। विधायक के साथ उनके दो सहायकों, मंजुनाथ वाल्मीकि और गुरुनायक को भी हिरासत में लिया गया है। यह पूरी कार्रवाई सिंचाई परियोजना से जुड़े एक रिश्वत मामले में जाल बिछाकर की गई है, जिसने राज्य की राजनीति में हड़कंप मचा दिया है। मामले का खुलासा तब हुआ जब गदग जिले के चिंचली निवासी प्रथम श्रेणी ठेकेदार विजय पुजारी ने लोकायुक्त में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, लघु सिंचाई विभाग के अंतर्गत सड़क के दोनों ओर रिटेनिंग वॉल (सुरक्षा दीवार) के निर्माण कार्य को सुचारू रूप से चलाने और बकाया बिलों के भुगतान की सुविधा के बदले विधायक द्वारा कथित तौर पर 11 लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। लोकायुक्त अधिकारियों ने इस शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जाल बिछाया और उस समय दबिश दी जब विधायक और उनके सहायकों ने रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 5 लाख रुपये स्वीकार किए। पुलिस ने मौके से ही तीनों को हिरासत में लेकर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस गिरफ्तारी के बाद कर्नाटक की सियासत में जुबानी जंग तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने विपक्षी दल पर तीखा हमला करते हुए कहा कि विधायक को रंगे हाथों पकड़ा गया है और अब विरोधियों को जवाब देना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार जांच में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगी और लोकायुक्त को स्वतंत्र रूप से कार्य करने दिया जाएगा। वहीं, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने भी व्यंग्यात्मक लहजे में कटाक्ष करते हुए विपक्ष की ईमानदारी पर सवाल उठाए। दूसरी ओर, भाजपा ने इस कार्रवाई पर रक्षात्मक रुख अपनाया है। प्रदेश नेतृत्व का कहना है कि वे तथ्यों की विस्तृत पुष्टि के बाद ही आधिकारिक बयान देंगे, हालांकि पार्टी प्रवक्ताओं ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा बताते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल जानबूझकर विपक्ष के नेताओं को निशाना बना रहा है। विधायक चंद्रू लमानी की गिरफ्तारी की खबर फैलते ही गदग में उनके समर्थकों ने भारी विरोध प्रदर्शन किया। समर्थकों ने इस कार्रवाई को एक गहरी राजनीतिक साजिश करार देते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

राजस्थान में अंतिम मतदाता सूची जारी, कुल 5.15 करोड़ मतदाता दर्ज

जयपुर। राजस्थान में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 27 अक्टूबर 2025 से 21 फरवरी 2026 तक चला। शनिवार को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की गई, जिसमें कुल 5,15,19,929 मतदाता शामिल हैं। सभी 199 विधानसभा सीटों के लिए नाम सुनिश्चित किए गए हैं। मसौदा सूची और अंतिम सूची के बीच 10,48,605 (2.08त्न) की शुद्ध वृद्धि हुई। पुरुष मतदाता 2,69,57,881 और महिला 2,45,61,486 हैं। समीक्षा अवधि में लिंगानुपात 909 से बढ़कर 911 हुआ। 18-19 वर्ष के मतदाताओं की संख्या में 4,35,061 का इजाफा हुआ। अधिकारियों ने बताया कि नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है।

मध्यप्रदेश के सात जिलों में बारिश का अलर्ट, राजस्थान में पारा 30 डिग्री के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पहाड़ी और मैदानी राज्यों में मौसम में बदलाव हो रहा है। मध्य प्रदेश में फरवरी के महीने में चौथी बार बारिश का अलर्ट जारी हुआ है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टर्फ की सक्रिय की वजह से मौसम बदला है। मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश के मंडला, डिंडौरी समेत सात जिलों में पानी गिरने की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटे में 15 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। राजस्थान में मौसम में दोबारा बदलाव आया है। सुबह-शाम की सर्दी कम हो गई है। शनिवार को 10 से ज्यादा शहरों का अधिकतम टेम्परेचर 30डिग्री सेल्सियस और उससे ज्यादा रहा।

मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान में अगले 7 दिन बारिश की संभावना नहीं है, आसमान खुला रहेगा। इसके कारण तापमान में 2 से 3डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं जम्मू-कश्मीर में फरवरी का सबसे गर्म दिन 21 फरवरी को रहा। यहां दिन का तापमान 21डिग्री दर्ज किया गया। जो सामान्य से 10 डिग्री ज्यादा है। इससे पहले 24 फरवरी 2016 को 20.6 डिग्री रहा था।

उत्तराखंड के हिमालयी इलाकों में टेम्परेचर 0 डिग्री से नीचे है। मुनस्यारी प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां टेम्परेचर माइनस 240डिग्री रहा। गंगोत्री में -22, बद्रीनाथ में -19, हेमकुंड साहिब में -18 और हर्षिल में -17डिग्री रहा। राज्य में कहीं भी बर्फबारी का अलर्ट नहीं है। 23-24 फरवरी को आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल की कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कई इलाकों में बर्फबारी की संभावना है।

कांग्रेस से निष्कासित नवजोत कौर बनाएगी नई पार्टी, एक साल पति सिद्धू रहेंगे राजनीति से दूर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस से निष्कासित पंजाब की डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने कहा है कि उनके पति नवजोत सिंह सिद्धू अगले एक साल तक सक्रिय राजनीति से दूर रहेंगे। सिद्धू 6 निजी कंपनियों के साथ करार कर चुके हैं, जिसके चलते वे किसी भी राजनीतिक गतिविधि में भाग नहीं लेंगे। नवजोत कौर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि यह फैसला पूरी तरह पेशेवर प्रतिबद्धताओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। सिद्धू आगामी एक साल तक अपने नए प्रोजेक्ट्स और कार्पोरेट एंगेजमेंट्स पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इस घोषणा के बाद पंजाब की राजनीति में हलचल मच गई है। नवजोत कौर ने कहा कि वे जल्द ही अपनी नई राजनीतिक पार्टी का गठन करेंगी। पार्टी का आधिकारिक कार्यालय भी शीघ्र खोला जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पोस्ट में डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने कई कांग्रेसी नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि पंजाब की राजनीति में भ्रष्टाचार और अवसरवादी राजनीति ने जनता का भरोसा कमजोर किया है। उन्होंने दावा किया कि उनकी नई पार्टी आम लोगों की आवाज बनेगी और राज्य को भ्रष्टाचार और गलत राजनीतिक प्रथाओं से बचाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। इस पूरे घटनाक्रम ने कांग्रेस के अंदर भी चर्चाओं को जन्म दे दिया है।

कांग्रेस से निष्?कासित होने के बाद से नवजोत कौर लगातार पार्टी पर हमलावर हैं। एक दिन पहले ही उन्होंने पंजाब कांग्रेस के प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने पोस्ट के जरिये राजा वड़िंग से पूछा था कि उन्होंने 100 एकड़ जमीन कैसे खरीदी? साथ ही राजस?थान से जुड़े पंजाब के पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के साथ? मिलकर 2400 करोड़ रुपए का घोटाला करने का भी आरोप लगाया है। नवजोत कौर ने राजा वड़िंग को चेतावनी देते हुए कहा था कि अब वे कोर्ट में जवाब देने और जेल जाने के लिए तैयार रहें। वहीं नवजोत कौर के इन आरोपों पर वड़िंग ने कहा था कि जिन लोगों की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होती, उनके बयानों पर रोज प्रतिक्रिया देना उचित नहीं।

अगर 6.5 तीव्रता का भूकंप आया तो कानपुर, प्रयागराज में हो सकता है भारी नुकसान

-आईआईटी कानपुर की रिसर्च से खुलासा, गंगा किनारे और निचले इलाकों में खतरा ज्यादा

कानपुर (एजेंसी)। आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर निहार रंजन पात्रा की अगुवाई में की गई रिसर्च में कहा गया है कि अगर 6.5 या उससे ज्यादा तीव्रता का भूकंप कानपुर, प्रयागराज में आता है, तो इन शहरों में भारी नुकसान हो सकता है। खासकर गंगा किनारे और निचले इलाकों में खतरा ज्यादा है। रिसर्च के मुताबिक यहां की जमीन कई जगहों पर ढीली और रेतीली है। ऐसी मिट्टी भूकंप के दौरान ज्यादा हिलती है और झटकों का असर बढ़ा देती है। यही वजह है कि वैज्ञानिकों ने पहले से तैयारी करने पर जोर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रोफेसर निहार रंजन पात्रा को साल 2008 में इस विषय पर रिसर्च के लिए प्रोजेक्ट मिला था। इसके बाद उनकी टीम ने कई साल तक कानपुर और आसपास के इलाकों में सर्वे किया। मिट्टी के नमूने जुटाए गए और उनकी गहराई से जांच की गई। अध्ययन में जमीन की अलग-अलग परतों और उनके व्यवहार को समझा। कंप्यूटर मॉडल की मदद से यह अनुमान लगाया गया कि अगर बड़ा भूकंप आता है तो किस इलाके में कितना असर पड़ सकता है। इस पूरी रिसर्च के बाद अब साफ संकेत मिल रहे हैं कि कुछ इलाके ज्यादा संवेदनशील हैं।

रिसर्च में सामने आया कि कई जगहों पर ÷लिक्विफैक्शन÷ का खतरा है। इसका मतलब यह है कि भूकंप के तेज झटकों के दौरान ठोस जमीन दलदल जैसी हो सकती है। ऐसी स्थिति में इमारतों की नींव कमजोर हो जाती है। बड़े-बड़े भवन झुक सकते हैं और पुराने मकान गिर सकते हैं। वैज्ञानिकों ने करीब 20 अलग-अलग जगहों से मिट्टी के सैंपल लिए। जांच में पाया गया कि गंगा किनारे के इलाके, पुराने मोहल्ले और ज्यादा आबादी वाले क्षेत्र ज्यादा जोखिम भरे हैं। अगर 6.5 या उससे ज्यादा तीव्रता का भूकंप आता है, तो सड़कें फट सकती हैं, जमीन में दरारें पड़ सकती हैं और कई इमारतों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।

रिपोर्ट के बाद विशेषज्ञों ने साफ कहा है कि अब लापरवाही की गुंजाइश नहीं है। नई इमारतें बनाते समय भूकंपरोधी डिजाइन का सख्ती से पालन किया जाए। पुराने भवनों की जांच कर उन्हें मजबूत बनाया जाए। स्कूल, अस्पताल और सरकारी दफ्तरों को प्राथमिकता पर सुरक्षित किया जाए, साथ ही आम लोगों को भी जागरूक होना होगा। भूकंप आने पर क्या करना है और क्या नहीं, इसकी जानकारी हर घर तक पहुंचनी चाहिए। प्रशासन को भी आपदा प्रबंधन की तैयारियां मजबूत करनी होंगी, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत राहत और बचाव का काम शुरू हो सके।

सपा को ऑफिस में चक्कर काटने और चेहरा चमकाने में लगे रहने वालों की जरूरत नहीं!

-अखिलेश ने मिशन 2027 को लेकर बनाई गुप्त रणनीति, तैयार कर रहे नेताओं का लेखा-जोखा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में मिशन 2027 को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। सभी राजनीतिक दल चुनाव में जीत हासिल करने के लिए रणनीति बनाने में जुटे हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने गोपनीय तैयारी शुरू कर दी है, जिसके तहत एक ख़ास लिस्ट तैयार की जा रही है, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं की गतिविधियों को लेखा-जोखा तैयार किया जाएगा। अखिलेश ने एक ऐसी लिस्ट बनाने के निर्देश दिए हैं जिनमें उन नेताओं और कार्यकर्ताओं को शामिल करने को कहा गया है जो अक्सर पार्टी दफ्तर में घूमते या टहलते नजर आते हैं और अपना ज्यादातर समय सपा ऑफिस में चक्कर काटने या फिर केवल चेहरा चमकाने में लगे रहते हैं बजाय इसके वो जमीनी स्तर पर सपा को मजबूत करने का काम करें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सपा ने ऐसे नेताओं का लेखा-जोखा बनाया है, जिसमें इन नेताओं की फोटो और फोन नंबर के साथ ये जानकारी भी दर्ज की गई है कि कौन सा कार्यकर्ता कितनी बार पार्टी के ऑफिस में आया, उसने कितनी बार हाथ मिलाया और वो जमीन स्तर पर किस तरह काम कर रहा है ताकि आगामी चुनाव में ऐसे नेता को ही टिकट मिल सके जो जमीन पर लोगों के बीच रहकर पार्टी को मजबूत कर रहा है।

इस रणनीति को गणेश परिक्रमा रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश साफ तौर पर इस डेटा के आधार पर फील्ड और ऑफिस के अंतर को देखना चाहते है ताकि चुनाव में किसी ऐसे नेता को टिकट ना मिले जो सिर्फ पार्टी के मुखिया के सामने चेहरा चमकाने के लिए ऑफिस में ही घूम रहे हैं। इस सूची के जरिए ऐसे नेताओं की छंटनी कर दी जाएगी तो अपना समय बेवजह के कामों में बिता रहे हैं, जिससे साफ है कि अखिलेश इस बार उम्मीदवारों के चयन को लेकर कोई लापरवाही बरतने के मूड में नहीं हैं। चुनाव में ऐसे उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी जो सबका साथ से ज्यादा सबके काम और कमिटमेंट के साथ काम कर रहे हैं।

6 राज्यों में पूरा हुआ एसआईआर का काम, गुजरात में सबसे अधिक 68 लाख नाम काटे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग ने देश के छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। शनिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूचियों में अभूतपूर्व बदलाव दर्ज किए गए हैं, जिसके तहत लाखों की संख्या में अपात्र मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। आयोग की इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया की शुचिता सुनिश्चित करना और फर्जी या दोहरे मतदान की संभावनाओं को पूरी तरह समाप्त करना है। इस विशेष अभियान के बाद जारी आंकड़े बताते हैं कि मतदाता सूचियों से अपात्र नामों को हटाने के बाद कई राज्यों की कुल मतदाता संख्या में बड़ी कमी आई है।

पुनरीक्षण के इन आंकड़ों में सबसे चौंकाने वाली गिरावट गुजरात में देखी गई है, जहां निर्वाचन आयोग ने कुल 68,12,711 मतदाताओं के नाम सूची से हटाए हैं। इस प्रक्रिया से पहले गुजरात में कुल मतदाताओं की संख्या 5,08,43,436 थी, जो अब घटकर 4,40,30,725 रह गई है। यह राज्य की कुल मतदाता संख्या में 13.40 प्रतिशत की भारी गिरावट को दर्शाता है। गुजरात के बाद मध्य प्रदेश में भी मतदाता सूची में बड़ी शुद्धि की गई है, जहां 34,25,078 नाम हटाए गए। इसके परिणामस्वरूप मध्य प्रदेश में मतदाताओं की संख्या 5,74,06,143 से कम होकर अब 5,39,81,065 (-5.97 प्रतिशत) पर आ गई है। इसी तरह राजस्थान में 31,36,286 नाम काटे गए, जिससे वहां मतदाताओं की संख्या 5.46 करोड़ से घटकर 5.15 करोड़ रह गई है।

अन्य राज्यों की बात करें तो छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची 2,12,30,737 से घटकर 1,87,30,914 रह गई है, यहाँ कुल 24,99,823 नामों की कटौती हुई है। दक्षिण भारतीय राज्य केरल में सूची से 8,97,211 नाम हटाए गए हैं, जिसके बाद अब वहां कुल मतदाताओं की संख्या 2,69,53,644 है। गोवा में भी मतदाताओं की संख्या में 1,27,468 की गिरावट दर्ज की गई है। केंद्र शासित प्रदेशों में भी इसी तरह की सक्रियता देखी गई। पुडुचेरी में 77,367, अंडमान और निकोबार में 52,364 जबकि लक्षद्वीप में सबसे कम केवल 206 नामों में बदलाव हुआ है। चुनाव अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि ये आंकड़े नेट चेंज को दर्शाते हैं, जिसमें हटाए गए अपात्र नामों में से नए जुड़े पात्र मतदाताओं की संख्या को घटाया गया है। नाम हटाने के प्राथमिक कारणों में मतदाता की मृत्यु, स्थायी स्थानांतरण, एक से अधिक स्थानों पर पंजीकरण और अन्य पात्रता संबंधी मुद्दे शामिल हैं।

निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह अभ्यास 12 राज्यों में चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा है। पहले चरण के सफल समापन के बाद अब सबकी नजरें उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु पर टिकी हैं। इन तीन बड़े राज्यों के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण का डेटा इस महीने के अंत तक जारी होने की संभावना है। आयोग ने इन राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को प्रारंभिक तैयारियां तेज करने के निर्देश दिए हैं। एसआईआर प्रक्रिया का अगला चरण अप्रैल में शुरू होगा, जो मतदाता सत्यापन के देशव्यापी अभियान को आगे बढ़ाएगा। फिलहाल राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, गोवा और अंडमान-निकोबार के लिए अंतिम मतदाता सूचियां आधिकारिक तौर पर प्रकाशित कर दी गई हैं, जो भविष्य के चुनावों के लिए आधार बनेंगी।

दीव पुलिस विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में चलाया स्वच्छता अभियान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 22 फरवरी। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में पूरे साल चलने वाले भारत के जश्न के हिस्से के तौर पर दीव पुलिस विभाग ने आज भारत के लौहपुरुष और राष्ट्रीय एकता में उनके ऐतिहासिक योगदान को सम्मान देने के लिए हेरिटेज वॉकवे दीव और दीव किले में हेरिटेज साइट क्लीन-अप ड्राइव का आयोजन किया। पुलिस डिपार्टमेंट, इंडिया रिज़र्व बटालियन, फायर डिपार्टमेंट और होम गार्ड्स के कर्मचारियों, जिनमें एनसीसी और एनएसएस कैडेट्स ने सफाई अभियान में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। जिससे दीव में विरासत को बचाने और नागरिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए उनका सामूहिक कमिटमेंट दिखा। सफाई अभियान को सभी भाग लेने वाले कर्मचारियों ने बड़े उत्साह और लगन के साथ सफलतापूर्वक चलाया। इस पहल ने न केवल सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि दी, बल्कि सफाई, एकता और हमारी राष्ट्रीय विरासत के सम्मान के संदेश को भी मज़बूत किया। दीव पुलिस डिपार्टमेंट ऐसे समुदाय-उन्मुख पहलों के लिए कमिटेड है और विरासत स्थलों को बचाने और नागरिकों के बीच नागरिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए काम करना जारी रखेगा।

दानह भारत स्काउट गाइड द्वारा चिंतन दिवस पर राज्य युवा समिति का गठन

■ स्टेट यूथ कमिटी 2026-28 के कार्यकाल में पूर्ण भागीदारी देगीः सागर राव

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 22 फरवरी। राज्य मुख्यालय दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भारत स्काउट एवं गाइड ने विश्व चिंतन दिवस मनाया। स्काउट गाइड के फाउंडर लार्ड स्टीफेंसन स्मिथ बेडेन पॉवेल एवं लेडी ऑलिव बेडेन पॉवेल को स्काउट गाइड फेलोशिप सक्रिय सदस्य सागर राव, राज्य मुख्यालय आयुक्त स्काउट अजय गणपत हरिजन, सहायक प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट मनीष कुमार झा, सक्रिय सदस्य ऐश्वर्या गांगोड़े द्वारा पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस उपलक्ष्य में आज संयुक्त राज्यसचिव शर्मिष्ठा देसाई के आदेश अनुसार एवं राज्य आयोजक आयुक्त सुधांशु शेखर के अध्यक्षता में स्टेट यूथ कमिटी का भी गठन किया गया। इसमें मयूर मुन्ना सिंह को यूथ कमिटी का चेयरपर्सन स्नेहा दिनेश दुबे को वाइस चेयरपर्सन एवं शिवम अजयकिशोर सिंह को नेशनल रिप्रेजेंटेटिव बनाया गया। इसके बाद सभी चयनित सदस्यों को संयुक्त रूप से शपथ दिलाई गई। इसके बाद सहयोगी कमिटी सदस्य का भी चयन किया गया। जिसमें सिंधु शर्मा, भावना तिवारी, अनामिका सिंह, प्रांजल इंगले दुर्गावती चौहान, सौरभ यादव, गौरव पाटिल, नीरज पाठक एवं विशाल सरोज विशेष रूप से सम्मिलित हुए इस कमिटी का कार्यकाल 2026-28 होगा। जिसमें यह कमिटी पूर्ण रूप से भागीदारी देगी एवं तीन वर्षों में होने वाले सभी जिला, राज्य, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के होने वाले सभी शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण शिविर का संचालन एवं संपादन के कार्यों में सहयोग का कार्य करेगी स्टेट यूथ कमिटी मुख्य रूप से राज्य एग्जीक्यूटिव कमिटी भारत स्काउट गाइड दादरा नगर हवेली एवं दमण-दीव के अंतर्गत कार्य करेगी। इसके लिए सागर राव एवं उपस्थित सदस्यों ने सभी चयनित सदस्यों को शुभकामनाएं दी।

सेंसेक्स की छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 63,478 करोड़ बढ़ा

- शीर्ष 10 कंप नियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्री पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला। कुल मिलाकर छह कंपनियों ने लाभ कमाया, जबकि चार कंपनियों के मूल्यांकन में गिरावट आई। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 63,478.46 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा लाभ लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में लार्सन एंड टुब्रो, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), बजाज फ़ाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज को लाभ हुआ। वहीं भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मूल्यांकन में गिरावट आई।

सप्ताह के दौरान लार्सन एंड टुब्रो का बाजार मूल्यांकन 28,523.31 करोड़ बढ़कर 6,02,552.24 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एसबीआई की बाजार हैसियत 16,015.12 करोड़ बढ़कर 11,22,581.56 करोड़ हो गई। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 9,617.56 करोड़ बढ़कर 14,03,239.48 करोड़ रुपये और एलआईसी का मूल्यांकन 5,977.12 करोड़ बढ़कर 5,52,203.92 करोड़ रुपये हो गया।बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 3,142.36 करोड़ बढ़कर 6,40,387 करोड़ रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 202.99 करोड़ रुपये बढ़कर 19,21,678.78 करोड़ रुपये हो गया।इस रुख के उलट भारती एयरटेल का मूल्यांकन 15,338.66 करोड़ रुपये घटकर 11,27,705.37 करोड़ रुपये रह गया। ईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 14,632.10 करोड़ रुपये घटकर 9,97,346.67 करोड़ रुपये रह गई।

इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 6,791.58 करोड़ रुपये घटकर 5,48,496.14 करोड़ रुपये पर

और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का मूल्यांकन 1,989.95 करोड़ रुपये घटकर 9,72,053.48 करोड़ रुपये पर आ गया।

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और इन्फोसिस का स्थान रहा।

अरविंदो फार्मा को पेन-जी उत्पादन 10,000 टन तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली । हैदराबाद स्थित दवा निर्माता अरविंदो फार्मा अगले 12 महीनों में अपने पेनिसिलिन-जी (पेन-जी) उत्पादन को वार्षिक आधार पर 10,000 टन से अधिक करने की उम्मीद कर रही है। कंपनी के एक वे रिष्ठ वित्त अधिकारी ने विश्लेषकों से बातचीत में बताया कि पेन-जी संयंत्र में उत्पादन बढ़ाने का काम उम्मीदों के अनुरूप हो रहा है और आने वाले समय में मुनाफे में महत्वपूर्ण वृद्धि लाने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन स्थित कंपनी का विनिर्माण संयंत्र चौथी तिमाही में कर-पूर्व आय (ऐ बिटा) के घाटे से उबरने की ओर है। आने वाले साल में यह संयंत्र कंपनी के शुद्ध लाभ में महत्वपूर्ण योगदान देगा। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा सेज में मौजूद पेन-जी इकाई की कुल उत्पादन क्षमता 15,000 टन प्रति वर्ष तक पहुंच सकती है। वर्तमान में उत्पादन स्तर स्थिर है और इसमें लगातार सुधार हो रहा है।

बिजली की बढ़ती खपत से कोयले की मांग में तेजी आने की उम्मीद

- दिसंबर में 6.3 फीसदी बढ़ी, जनवरी में भी कड़ाके की सर्दी की वजह से मांग बढ़ी

नई दिल्ली । देश में बिजली की खपत में बढ़ोतरी के चलते कोयले की मांग आने वाले दिनों में तेज होने की संभावना है। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि अक्टूबर और नवंबर में बिजली की मांग में नकारात्मक वृद्धि देखने को मिली, लेकिन दिसंबर में यह 6.3 फीसदी बढ़ गई। जनवरी में भी कड़ाके की सर्दी और आर्थिक गतिविधियों में सुधार की वजह से बिजली की खपत बढ़ती रही। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में कोयले की मांग कमजोर बनी हुई है। देश का कोयला क्षेत्र एक अरब टन उत्पादन का रिकॉर्ड बनाने के बाद अचानक मांग में गिरावट का सामना कर रहा है। इससे बड़ी सार्वजनिक कंपनियों और नई वाणिज्यिक खनन कंपनियों की विस्तार योजनाओं में अनिश्चितता पैदा हुई है। एमजंक्शन, जो सेल और टाटा स्टील का संयुक्त उद्यम है, 24-25 फरवरी को कोलकाता में 19वां भारतीय कोयला बाजार सम्मेलन कोआलोसेमः द कोल बैटलग्राउंड का आयोजन कर रहा है। इस सम्मेलन में कोयला, बिजली, सीमेंट, स्टील और लॉजिस्टिक्स सहित 36 प्रमुख उद्योगपति अपनी राय साझा करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि बिजली की खपत में बढ़ोतरी के चलते आने वाले महीनों में कोयले की मांग में मजबूती देखने को मिल सकती है।

शेयर बाजार पर दिखेगा अमेरिकी आयात शुल्क में बदलाव का असर

वैश्विक व्यापार और अमेरिकी आयात नीति पर अस्थिरता के बावजूद निवेशकों में सकारात्मक उम्मीदें

मुंबई ।

भारत का शेयर बाजार पिछले सप्ताह तेज बढ़त के साथ बंद हुआ और निवेशकों की निगाहें अब इस सप्ताह पर टिकी हैं। इसका प्रमुख कारण अमेरिका में आयात शुल्कों में हाल ही में हुए बदलाव हैं, जो वैश्विक व्यापार और निवेश धाराओं पर सीधे असर डालते हैं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों पर लगाए गए ऊंचे आयात शुल्कों को रद्द कर दिया, जिससे वैश्विक बाजारों में नई उम्मीदें जगी हैं। इस फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन ने 20 फरवरी को घोषणा की कि सभी देशों के लिए 150 दिन के लिए 10 प्रतिशत आयात शुल्क लागू होगा, जो 24 फरवरी से प्रभावी होगा। हालांकि, 21 फरवरी को ट्रंप ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि यह दर 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दी गई है, लेकिन अभी तक इसके लिए कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं हुआ है। इस कदम से वैश्विक व्यापार और अमेरिकी आयात नीति पर अस्थिरता के बावजूद, निवेशकों में सकारात्मक उम्मीदें बनी हैं। भारत-अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते के तहत अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर 18 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने का प्रावधान किया था। अगर अमेरिकी प्रशासन वास्तव में इस दर को 10-15 प्रतिशत तक कम करता है, तो भारतीय उत्पाद अमेरिका में सस्ते होंगे, जिससे निर्यात बढ़ सकता है। यह स्थिति भारतीय कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन और विदेशी निवेश प्रवाह के लिए लाभकारी हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी आयात शुल्क में संभावित कमी से भारतीय शेयर बाजार में लिवाल निवेशकों की संख्या बढ़ सकती है। इसके परिणामस्वरूप पिछले सप्ताह की तेजी इस सप्ताह भी जारी रहने की संभावना है। विशेष रूप से उन सेक्टर्स में, जो अमेरिका के निर्यात पर निर्भर हैं, निवेशकों की रुचि अधिक रहेगी।

दीर्घावधि में दोपहिया उद्योग 8-9 फीसदी सालाना बढ़ने की संभावना- टीवीएस मोटर्स

- अगले वित्त वर्ष की पहली छमाही बेहद अच्छी रहने की संभावन

नई दिल्ली । टीवीएस मोटर कंपनी के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा है कि भारत का दोपहिया उद्योग आने वाले वर्षों में सालाना 8-9 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना रखता है। उन्होंने यह वृद्धि मुख्य रूप से जीएसटी दरों में कटौती, बुनियादी ढांचे पर निवेश और अर्थव्यवस्था की समग्र वृद्धि से जोड़कर बताया। उन्होंने विश्लेषकों से बातचीत में कहा कि यह उद्योग दीर्घावधि में स्थिर और मजबूत विकास की दिशा में है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही सिर्फ 2 प्रतिशत वृद्धि दर्ज कर सकी थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि पूरे वित्त वर्ष में यह वृद्धि लगभग 9 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। जीएसटी कटौती का लाभ उद्योग को मिल रहा है और अगले वित्त वर्ष की पहली छमाही बेहद अच्छी रहने की संभावना है। अे धिकारी ने बताया कि चौथी तिमाही में उद्योग की वृद्धि 15 प्रतिशत से अधिक हो सकती है, जो कि साल के लिए सबसे मजबूत वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि पिछले साल सितंबर में लागू जीएसटी दरों में कटौती का असर अब चौथी तिमाही में स्पष्ट दिखेगा। उन्होंने कहा कि सड़क संपर्क में सुधार और सार्वजनिक परिवहन की चुनौतियों के कारण निजी परिवहन, विशेष रूप से दोपहिया वाहन, ग्राहकों के लिए आकर्षक विकल्प बने हैं। इसके अलावा, भारत में स्व-रोजगार वाले लोगों का बड़ा हिस्सा इसे खरीद सकते हैं और इसका इस्तेमाल अपने काम और दैनिक परिवहन में कर सकते हैं।

तेल-तिलहन और कपास बाजार में दबाव, सोयाबीन तेल में मामूली सुधार

अगले 10-15 दिन में आवक बढ़ने की संभावना है, जिससे कीमतों पर और दबाव रहेगा

नई दिल्ली ।

सरकार की ओर से पुराने स्टॉक की बिक्री और नयी फसल की आवक शुरू होने से सरसों और सरसों तेल-तिलहन के दाम गिर गए। अगले 10-15 दिन में आवक बढ़ने की संभावना है, जिससे कीमतों पर और दबाव रहेगा। महंगे सरसों तेल की खपत तभी बढ़ेगी जब इसका दाम सोयाबीन तेल से 5-7 रुपये प्रति किलो कम होगा। सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) की कमजोर स्थानीय मांग और सरकारी बिक्री के कारण सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट आई। हालांकि, सोयाबीन तेल की आयात कम होने और मांग बने रहने से कीमतों में मामूली सुधार देखा गया। मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट रही, वहीं मजबूत आय वर्ग में साबुत मूंगफली और गुणवत्ता वाले तेल की स्थिर मांग बनी है। मूंगफली की खराब धारणा से बिनौला तेल के दाम भी नीचे गए। मलेशिया एक्सचेंज में तेजी के कारण पाम और पामोलीन के दाम बढ़े। अमेरिकी शुल्क फैसले के रद्द होने का असर अगले सप्ताह स्पष्ट होगा। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 235 रुपये की गिरावट के साथ 6,675-6,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 400 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 65-65 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,325-2,425 रुपये और 2,325-2,470 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 5,275-5,325 रुपये और 4,875-4,925 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 14,400 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 14,000 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 50 रुपये के सुधार के साथ 11,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरकारी बिकवाली के दबाव में मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट रही।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM HITENKUMAR RAMESHCHANDRA PANCHAL TO **HITENDRAKUMAR RAMESHCHANDRA PANCHAL** AS PER DOCUMENT

गेवरा खदान अगले साल बनेगी दुनिया की सबसे बड़ी कोयला खदान

- गेवरा खदान अगले वित्त वर्ष में 6.3 करोड़ टन कोयला उत्पादन करने का लक्ष्य

कोरबा। कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड लिमिटेड (एसईसीएल) द्वारा संचालित गेवरा खदान, भारत की सबसे बड़ी खुली कोयला खदान है। 1981 से संचालित यह खदान देश में कोयले की आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। एसईसीएल के एक अे धिकारी ने बताया कि गेवरा खदान अगले वित्त वर्ष में 6.3 करोड़ टन कोयला उत्पादन करने का लक्ष्य रखती है। वर्तमान वित्त वर्ष में खदान का उत्पादन लक्ष्य 5.6 करोड़ टन है। खदान को अपनी अधिकतम क्षमता 7 करोड़ टन प्रति वर्ष तक बढ़ाने के लिए पर्यावरण मंजूरी भी पहले ही मिल चुकी है। अभी दुनिया की सबसे बड़ी कोयला खदान अमेरिका के व्योमिंग स्थित ब्लैक थंडर खदान है, जो लगभग 6.1-6.2 करोड़ टन कोयला उत्पादन करती है। यदि गेवरा खदान अपना अगला साल का लक्ष्य पूरा करती है, तो यह ब्लैक थंडर को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक खदान बन जाएगी। इसके बाद अमेरिका की नॉर्थ एंटीलोप रोशेल खदान का स्थान आता है। अे धिकारी ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए आवश्यक सभी संसाधन मौजूद हैं। इसमें शामिल हैंः पर्याप्त भूमि, आधुनिक मशीनरी, कुशल जनशक्ति और ग्राहकों की मजबूत मांग। उन्होंने यह भी बताया कि टीम ने अग्रिम योजना के साथ हर संसाधन को सुनिश्चित कर लिया है।

भारत का एआई नेतृत्व तकनीक एवं मानवीय मूल्यों का संगम बने

ललित गर्ग

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को गणित, भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान और डाटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाए तो भारत एआई अनुसंधान और नवाचार में विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है जो वास्तविक शोध और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें, न कि केवल झूठे दावों और विज्ञापन के बल पर प्रतिष्ठा अर्जित करने का प्रयास करें। शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता ही उस आधारशिला को मजबूत करेगी जिस पर भारत का एआई भविष्य खड़ा होगा।

दिल्ली इन दिनों केवल भारत की राजनीतिक राजधानी भर नहीं, बल्कि उभरती तकनीकी चेतना का वैश्विक केंद्र बनी हुई है। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब प्रयोगशालाओं या कॉरपोरेट दफ्तरों तक सीमित तकनीक नहीं रही, बल्कि वह विकास की नई परिभाषा गढ़ने की दिशा में अग्रसर है। दुनिया के विभिन्न देशों, तकनीकी कंपनियों, शोध संस्थानों और नीति-निमार्ताओं की उपस्थिति ने इस सम्मेलन को वैश्विक विमर्श का मंच बना दिया है। यह आयोजन इस तथ्य का उद्घोष है कि भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि एआई युग का नेतृत्वकर्ता बनने की तैयारी में है। आज विश्व जिस तकनीकी संक्रमण से गुजर रहा है, उसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्णायक भूमिका निभा रही है। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, शासन और आर्थिक विकास-हर क्षेत्र में एआई समाधान की नई संभावनाएँ खोल रहा है। ऐसे समय में भारत का दृष्टिकोण केवल तकनीकी उन्नति तक सीमित नहीं, बल्कि वह इसे मानव-केंद्रित विकास के साथ जोड़ने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि तकनीक का अंतिम लक्ष्य मानवता की सेवा होना चाहिए, न कि केवल लाभ और वर्चस्व की दौड़।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को गणित, भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान और डाटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाए तो भारत एआई अनुसंधान और नवाचार में विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है जो वास्तविक शोध और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें, न कि केवल झूठे दावों और विज्ञापन के बल पर प्रतिष्ठा अर्जित करने का प्रयास करें। शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता ही उस आधारशिला को मजबूत करेगी जिस पर भारत का एआई भविष्य खड़ा होगा। यह सवाल उठाया जा रहा है कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति क्यों दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची

छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया है। जिसकी पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानक संस्थाओं ने भी की है। लेकिन एक विरोधाभासी हकीकत यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ी आबादी का देश है, जहां श्रम शक्ति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की भूमिका क्रांतिकारी सिद्ध हो सकती है। रोगों की प्रारंभिक पहचान, सटीक निदान, दवाओं के शोध और ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं के विस्तार में एआई नई संभावनाएँ लेकर आया है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जहाँ स्वास्थ्य संसाधनों का असमान वितरण है, वहाँ एआई आधारित समाधान दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर सेवाएँ पहुँचाने में सहायक हो सकते हैं। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र में मौसम पूर्वानुमान, मृदा विश्लेषण, फसल प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला के अनुकूलन में एआई किसानों की आय बढ़ाने और जोखिम कम करने का माध्यम बन सकता है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती भी आज मानवता के सामने विकराल रूप में उपस्थित है। चरम मौसम की घटनाएँ, जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन विकास की गति को प्रभावित कर रहे हैं। एआई आधारित मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण से प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान, संसाधनों का बेहतर प्रबंधन और टिकाऊ नीतियों का निर्माण संभव है। यदि भारत इन क्षेत्रों में एआई का प्रभावी उपयोग करता है तो वह वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए एक मार्गदर्शक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।

शासन और आर्थिक विकास के क्षेत्र में भी एआई पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। सार्वजनिक सेवाओं के डिजिटलीकरण, भ्रष्टाचार पर अंकुश, नीति निर्माण में डेटा-आधारित निर्णय और वित्तीय समावेशन के विस्तार में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सरल होंगी, बल्कि नागरिकों का विश्वास भी मजबूत होगा। आर्थिक दृष्टि से एआई नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और विनिर्माण क्षेत्र में नई ऊर्जा भर सकता है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। किन्तु इस उजाले के साथ कुछ गहरी छायाएँ भी हैं। एआई के बढ़ते प्रभाव से रोजगार संरचना में परिवर्तन स्वाभाविक है। अनेक पारंपरिक नौकरियाँ समाप्त हो सकती हैं और नई कौशल-आधारित नौकरियों की माँग बढ़ेगी। यदि कौशल विकास और पुनर्प्रशिक्षण पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो असमानता और बेरोजगारी की समस्या गहरा सकती है। इसी प्रकार डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा, डीपफेक और निगरानी जैसे प्रश्न लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती बन सकते हैं। तकनीक का दुरुपयोग सामाजिक विभाजन और सूचना के दुष्प्रचार को बढ़ा सकता है।

इसलिए आवश्यक है कि एआई के विकास के साथ नैतिक ढाँचे और नियामक व्यवस्था भी सुदृढ़ हो। भारत को ऐसा मॉडल विकसित करना होगा जिसमें नवाचार की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व का संतुलन बना रहे। ह्यमानवता केंद्र मेंह्ण का सिद्धांत केवल नारा न बने, बल्कि नीति और व्यवहार में परिलक्षित हो। एआई का उपयोग यदि समावेशी विकास, लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय के लिए किया जाए तो यह तकनीक समाज के कमजोर वर्गों के लिए अवसरों का द्वार खोल सकती है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो चीन और अमेरिका एआई के क्षेत्र में तीव्र प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। भारत के सामने चुनौती है कि वह इस दौड़ में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। भारत का लोकतांत्रिक ढाँचा, विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और विशाल बाजार उसे एक अलग सामर्थ्य प्रदान करते हैं। यदि वह अनुसंधान में निवेश, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के सुदृढ़ीकरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता दे तो वह एआई के क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए सस्ती, सुलभ और मानव-केंद्रित तकनीक उपलब्ध कराकर भारत एक नैतिक नेतृत्व स्थापित कर सकता है।

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सम्मेलन केवल विचारों का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि भविष्य की संरचना का प्रारूप है। यहाँ से निकले संकल्प यदि नीति और क्रियान्वयन में रूपांतरित होते हैं तो भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर एक बड़ा कदम बढ़ा सकेगा। यह अवसर है कि हम एआई को केवल आर्थिक लाभ का साधन न मानें, बल्कि उसे सामाजिक परिवर्तन और मानव कल्याण के माध्यम के रूप में देखें। आज जब दुनिया में मानवीय मूल्यों का क्षरण चिंता का विषय है, तब भारत के पास अवसर है कि वह तकनीक और नैतिकता के समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करे। एआई का विकास यदि करुणा, समावेशन और सतत विकास के आदर्शों के साथ हो तो यह मानवता के लिए वरदान सिद्ध होगा। भारत को अपने युवाओं, शोधकताओं और नीति-निमार्ताओं के माध्यम से यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई की यात्रा मानवता के उत्थान की यात्रा बने, न कि केवल प्रतिस्पर्धा और वर्चस्व की।

निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब कृषि से लेकर चिकित्सा तक और उत्पादन के क्षेत्र में एआई व रोबोटिक्स की दखल बढ़ रही है, प्रचुर श्रमशक्ति की उपलब्धता के बावजूद भारत को समय के साथ कदमताल करनी होगी। हमें एआई व रोबोटिक्स को अपनाना ही होगा। लेकिन सावधानी के साथ ताकि यह नौकरी खाने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला बने। समय की पुकार है कि हम तकनीकी प्रगति को राष्ट्रीय संकल्प में बदलें। शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास और नैतिक नेतृत्व के सहारे भारत एआई युग में एक नई पहचान गढ़ सकता है। यदि हम चुनौतियों को स्वीकार कर दूरदर्शिता से आगे बढ़ें तो यह युग भारत के लिए केवल तकनीकी उन्नति का नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व और मानवीय पुनर्जागरण का युग सिद्ध हो सकता है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

एआई समिट से सीयू तक

नए जगत की खोज में हिंदोस्तान के कदम जहां निकले, वहां परिवेश में ज्ञान की दौलत को चिन्हित करना पड़ेगा। दुनिया को मुरीद बनाती तकनीक का सारा आलम ए आई से संचालित होने जा रहा है, जहां जीवन के हर पहलू में एक नया सवेरा खोजा जाएगा। दिल्ली में इंडिया इम्पैकट ए आई समिट के माध्यम से नई वैश्विक शक्ति, शिक्षा के नए विषय, सोचने का नया सामर्थ्य और जानने की नई क्षमता में सूक्ष्म बिंदुओं पर विचार हो रहा है। ज्ञान का परिदृश्य और तरक्की का आश्चर्य बोध हर लम्हे को इसकी अति सूक्ष्मता में जाहिर करेगा। भारत की क्रांतियों में ए आई की भूमिका अभी पीछे है। कम्प्यूटरिंग सुविधा के साथ ए आई के हब और गीगावाट की क्षमता में आरोहण का दस्तूर अभी परीक्षण के दौर में है, क्योंकि पानी और बिजली की खपत में डाटा भंडारण के हर कदम पर इस्तेमाल की व्यापकता है। एक विवाद ने निजी विश्वविद्यालय की पगड़ी उछाल दी और जग हंसाई के दस्तूर में 'ए आई' एक जुमला सा हो गया। चीन और अमरीकी के बीच ए आई का जलवा भारत की पहचान में अभी मद्धिम है, तो समझना यह होगा कि हमारे आई आई टी और ट्रिपल आई टी के शोध पत्रों में कितना मसौदा भरना बाकी है। यूं तो कौशल विकास की खिड़कियों से रोजगार के अवसर देखे जा रहे हैं, लेकिन ए आई के संकल्प से रास्ते और भी कठिन होंगे। कहने को हमारी तुलना का विश्व हमें शक्ति देता है, लेकिन जिस देश की अस्सी करोड़ आबादी को मुफ्त के राशन की ताकत चाहिए, वहां आगे बढने के द्वंद्व कहीं ज्यादा बढ़ जाएंगे। बहरहाल देश में ए आई अब एक स्तंभ है और युवा महत्त्वाकांक्षा का अगला सफर। ऐसे में देश से प्रदेश तक और वैश्विक दृष्टि से अपने परिवेश तक मूल्यांकन जरूरी है।

यह विडंबना है कि हिमाचल में सदन की बहस जिन मुद्दों पर टिकी है, वहां ए आई का जमाना बहुत दूर हो जाता है। यह दीगर है कि सुखविंदर सुक्खू सरकार ने रोबोटिक सर्जरी की पहल से आगे निकलने की कोशिश की या कुछ इंजीनियरिंग कालेजों के पाठ्यक्रम में विषय का शंखनाद हो गया, लेकिन हमें सोचना पड़ेगा कि हिमाचली विकास का वैज्ञानिक पक्ष कितना मजबूत है। क्या हमारे तमाम विश्वविद्यालयों ने एआई की जमीन तैयार की गई है। प्रदेश में शिक्षा का मात्रात्मक विकास जिस छोर पर खड़ा है, वहां नौकरी ही एंड प्रॉडक्ट माना गया है। नवाचार के क्षेत्र में ही हमारे विश्वविद्यालयों की प्रासंगिकता विराम तक पहुंच जाती है, तो आगे एआई के संदर्भ कैसे मजबूत होंगे। हिमाचल प्रदेश के केंद्रीय विश्वविद्यालय की आंखों में ए आई का प्रकाश हो जाए, तो ज्ञान की पाठशाला सशक्त होगी, वरना ऐसा नहीं लगता कि इस संस्थान की रचना में अंतरराष्ट्रीय पैमानों का सोच पल्लवित हो रहा है। विश्वविद्यालय की संगोष्ठियों में विषयों की परंपरा इतनी परंपरावादी है, कि छात्रों के जेहन में संस्कृति के नाम पर ज्ञान किसी पोखर में खड़ा हो रहा है। अगर संस्कृत भाषा के आलोक में ही विश्वविद्यालय को अपनी जन्मपत्री मजबूत करनी है, तो कब ए आई का पौधारोपण होगा। वैसे भी हिमाचल के तमाम विश्वविद्यालय एक ही पायजामा पहनकर अपनी मंजिलों में आत्म संतुष्ट दिखाई देते हैं।

चिंतन-मनन

निरोगी काया भी हो ध्येय

सच्चे अर्थों में जीवन उतने ही समय का माना जाता है, जितना स्वस्थतापूर्वक जिया जा सके। कुछ अपवादों को छोड़कर अस्वस्थता अपना निज का उपार्जन है। सृष्टि के सभी प्राणी प्रायः जीवन भर निरोग रहते हैं। मनुष्य की उच्छृंखल आदत ही उसे बीमार बनाती है। जीभ का चटोरापन अतिशय मात्रा में अखाद्य खाने के लिए बाधित करता रहता है। जितना भार उठ नहीं सकता, उतना लादने पर किसी का भी कचूमर निकल सकता है। बिना पचा सड़ता है और सड़न के रक्त प्रवाह में मिल जाने से जहां भी अवसर मिलता है, रोग का लक्षण उभर पड़ता है। अस्वच्छता, पूरी नींद न लेना, कड़े परिश्रम से जी चुराना, नशेबाजी जैसी आदत स्वास्थ्य को जर्जर बनाने का कारण बनते हैं। खुली हवा और रोशनी से बचना, घुटन भरे वातावरण में रहना भी बीमारी का बड़ा कारण है। भय या आक्रोश जैसे उतार-चढ़ाव भी मनोविकार बढ़ाते और व्यक्ति को सनकी, कमजोर व बीमार बनाते हैं। शरीर को निरोगी बनाकर रखना कठिन नहीं है। आहार, श्रम एवं विश्राम का संतुलन बिठाकर हर व्यक्ति आरोग्य एवं दीर्घजीवन पा सकता है। दूसरे नियम भी ऐसे नहीं, जिनकी जानकारी आमजन को न हो सके।

गिरगिट से ज्यादा तेज गति से रंग बदलते हैं ट्रंप

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सारी दुनिया में चर्चा हो रही है। पिछले एक वर्ष में जिस तरह से उन्होंने निर्णय लिए हैं उनके निर्णय के कारण जिस तरह की अनिश्चित अमेरिका के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में देखने को मिल रही है, उसके बाद लोग यह कहने लगे हैं, कि गिरगिट भी देर से रंग बदलता है लेकिन ट्रंप उससे जल्दी रंग बदल लेते हैं। हाल ही में अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों के ऊपर जो टैरिफ लगाए गए थे उसे निरस्त कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उसे अवैधानिक माना है। इसके तुरंत बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया फैसला लिया, जिसमें 10 फीसदी टैरिफ को लगाने का फैसला किया था। अदालत के फैसले के कुछ ही घंटे के बाद उन्होंने शुक्रवार को 10 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन शनिवार को उसे बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया। 24 फरवरी से 24 जुलाई तक सभी देशों की अलग-अलग दरों के स्थान पर अगले 150 दिन अर्थात 15 जुलाई तक 15 फीसदी टैरिफ वसूल किया जाएगा। इसका असर भारत पर भी पड़ने जा रहा है। भारत के फार्मा और पेट्रो पर तीन फीसदी टेरिफ लगेगा लेकिन बाकी सभी चीजों पर अब 15 फीसदी टैरिफ अमेरिका में जो भी माल भेजा जाएगा उस पर लगेगा। भारत के संबंध में बात की जाए तो पहले उन्होंने 50 फीसदी टैरिफ लगाया, 2 फरवरी को अंतरिम ट्रेड डील पर सहमति जताते हुए टैरिफ को 18 फीसदी किया था। उसके बाद 10 फीसदी टैरिफ लगाया गया। अब उसे बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया गया है। दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह की अनिश्चितता अमेरिका को लेकर सारी दुनिया में देखने को मिल रही है उसमें भले अभी ट्रंप को कुछ फायदा हो रहा हो लेकिन जिस तरह से अमेरिका की साख को बट्टा लग रहा है उसके बाद सारी दुनिया में यह धारणा बनने लगी है अमेरिका को जिस दिशा में डोनाल्ड ट्रंप ले जाना चाहते हैं। उसके कारण अमेरिका कुछ ही महीना में बहुत बड़ी मुसीबत में फंस सकता है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जो निर्णय लिए जा रहे हैं इसका सबसे बड़ा दुष्प्रभाव अमेरिका के ऊपर ही पड़ रहा है। अमेरिका में लगातार महंगाई बढ़ती जा रही है। अमेरिका की ट्रेजरी से विभिन्न देशों ने अपना सोना और बांड के रूप में जमा राशि को निकालना शुरू कर दिया है। अमेरिका की जो विश्व में साख पिछले कई दशकों में बनी हुई थी वह तार-तार हो गई है। कारोबारी और विभिन्न देशों की सरकारों को अमेरिका के ऊपर भरोसा नहीं रहा, जिसके कारण अमेरिका अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नहीं मानकर उन्होंने वैकल्पिक तरीके से सारी दुनिया के देशों से जो 15 फीसदी टैक्स एक जजिया-कर की तरह वसूल करने की कोशिश की है, वह अपने निर्णय के माध्यम से दबाव बनाकर दुनिया के विभिन्न देशों में अपने परिवार और पारिवारिक कंपनियों को जो लाभ पहुंचाना चाहते हैं उसकी यह रणनीति चर्चा का विषय बन गई है।

कारोबारी और विभिन्न देशों की सरकारें अमेरिका से दूरी बनाने लगी है। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए भी आंतरिक चुनौतियों राजनीतिक आधार पर बनना शुरू हो गई हैं। सड़कों पर उनका विरोध शुरू हो गया है। विभिन्न राज्यों में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ संघीय व्यवस्था को खत्म करने और डिक्टेटर वाले निर्णय लेने से बगावत जैसी स्थिति देखने को मिलने लगी है। अमेरिका कभी पूरी दुनिया का नेतृत्व करता था लेकिन अब यह स्थिति बदलती हुई दिख रही है। रूस, चीन जैसे देश अमेरिका के समानांतर एक नई वैकल्पिक व्यापारिक व्यवस्था विकसित करने की बात कर रहे हैं। वैकल्पिक मुद्रा तैयार कर रहे हैं। जिसको दुनिया के अन्य देशों का भी बड़े पैमाने पर समर्थन मिल रहा है। अभी तक अमेरिका को जो डॉलर के कारण कमाई हो रही थी अब वह कमाई भी खतरे में पडती हुई दिख रही है। डोनाल्ड ट्रंप बहुत जल्दबाजी में है। उनके कार्यकाल का एक वर्ष एक माह लगभग खत्म हो चुका है उनके लिए 2 वर्ष और 11 में शेष हैं। इस बीच में वह अपने परिवार और अपने लिए वह सब कुछ कर लेना चाहते हैं जो वह सोचते हैं। लेकिन यह संभव नहीं होगा। डोनाल्ड ट्रंप के निर्णयों के कारण अमेरिका के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में उनका विरोध बढ़ता चला जा रहा है। व्यापार और संबंध मैं विश्वास होना जरूरी होता था। वह विश्वास डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका के ऊपर देखने को नहीं मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप आक्रामक होकर मनमाने फैसले ले रहे हैं उसके बाद यह माना जा रहा है कि जल्द ही उनके खिलाफ अमेरिका में विद्रोह शुरू हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप बहुत जिद्दी हैं। यह उनका व्यक्तिगत दुर्गुण है, जिसका खामियाजा आगे चलकर अमेरिका को चुकाना पड़ेगा। इसमें अब कोई संदेह नहीं रहा।

एक पृथ्वी, एक मानवता: शांति और समझ का वैश्विक संकल्प

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 23 फरवरी को विश्व शांति और समझ दिवस रोटरी इंटरनेशनल की स्थापना की वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष रोटरी इंटरनेशनल अपना 121वाँ स्थापना दिवस मना रहा है। पाठकों को बताता चलूं कि यह दिवस इस विचार को रेखांकित करता है कि शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि यह तो हमारी आपसी समझ, साझा प्रयासों और समावेशी विकास का परिणाम है। कहना गलत नहीं होगा कि आज के दौर में बढ़ते संघर्ष, युद्ध और तनाव के बीच विश्व शांति मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। वास्तव में, शांति से ही विकास, शिक्षा और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। आपसी समझ और सहिष्णुता किन्हीं भी समाजों को मजबूत व सुदृढ़ बनाती है। यह एक कटु सत्य है कि बिना शांति के न तो सुरक्षा संभव है और न ही किसी देश और समाज की स्थायी प्रगति। इसलिए विश्व शांति केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व के लिए अनिवार्य शर्त है।

बहुत कम लोग जानते हैं कि ह्यरोटरीह्ण नाम के पीछे भी एक रोचक कारण है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार शुरूआत में इसे ह्यशांति दिवसह्ण नहीं कहा जाता था। इसका नाम ह्यरोटरीह्ण इसलिए पड़ा क्योंकि इसके सदस्य अपनी बैठकें हर बार अलग-अलग सदस्यों के कार्यालयों में घुमाकर (रोटेशन के आधार पर) किया करते थे और यही रोटेशन आगे चलकर दुनिया भर में सेवा और शांति का प्रतीक बन गया। एक दिलचस्प तथ्य यह भी है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जब दुनिया संघर्षों में उलझी हुई थी, तब रोटरी के सदस्यों ने लंदन में एक सम्मेलन आयोजित किया था। इसी सम्मेलन की बौद्धिक नींव पर आगे चलकर यूनेस्को की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ। बहुत कम लोग जानते हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी शांति संस्थाओं में से एक की अवधारणा एक क्लब बैठक से प्रेरित थी।

इस दिवस का मूल संदेश यह है कि शांति केवल युद्ध का न होना नहीं है। रोटरी की अवधारणा में शांति का अर्थ लोगों की स्वच्छ पानी तक पहुँच, साक्षरता दर में वृद्धि तथा स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं के विकास से भी जुड़ा है। दूसरे शब्दों में कहें तो सेवा ही शांति का सबसे बड़ा माध्यम है। जब हम भूख, बीमारी (जैसे पोलियो) और अज्ञानता के खिलाफ संघर्ष करते हैं, तो वास्तव में हम शांति की नींव रख रहे होते हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 23 फरवरी 1905 को पॉल पी. हैरिस ने शिकागो (अमेरिका) में इसकी(रोटरी इंटरनेशनल) शुरूआत की थी।पेशे से वे एक वकील थे और उन्होंने अपने तीन मित्रों के साथ मिलकर पहले रोटरी क्लब की बैठक आयोजित की। उनका उद्देश्य एक ऐसा मंच तैयार करना था, जहाँ विभिन्न पृष्ठभूमि के पेशेवर लोग मिलकर विचार साझा कर सकें और समाज के लिए सार्थक कार्य कर सकें। समय के साथ यह एक वैश्विक आंदोलन बन गया और स्थापना दिवस को ही ह्यविश्व शांति और समझ दिवसह्ण के रूप में मान्यता मिली। उपलब्ध जानकारी के अनुसार आज रोटरी के 200 से अधिक देशों में लगभग 46,000 से अधिक क्लब सक्रिय हैं।

यहाँ पाठकों को बताना आवश्यक है कि रोटरी इंटरनेशनल एक वैश्विक सेवा संगठन है, जिसका मुख्य उद्देश्य मानवता की सेवा करना, समाज में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना तथा विश्व में शांति और सद्भाव स्थापित करना है। इसके सदस्य विभिन्न व्यवसायों और पेशों से जुड़े लोग होते हैं, जो स्वेच्छा से समाज सेवा में योगदान देते हैं। यह संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, जल संरक्षण, रोग उन्मूलन (विशेषकर पोलियो उन्मूलन अभियान) और सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परियोजनाएँ संचालित करता है। आज इसके विश्वभर में हजारों क्लब और लाखों सदस्य हैं, जो सर्विस अबूव सेल्फ (स्वार्थ से ऊपर सेवा) के आदर्श वाक्य के साथ मानव कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं।

वास्तव में, इस दिवस को मनाने का उद्देश्य, जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं, पूरे विश्व में शांति, सेवा और आपसी समझ को बढ़ावा देना है। आज के दौर में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, भौतिकवादी सोच, राजनीतिक और सामाजिक तनाव तथा डिजिटल माध्यमों पर फैलती नकारात्मकता ने लोगों के बीच दूरी बढ़ा दी है। कई बार देश संसाधनों और प्रभुत्व की होड़ में संघर्ष की राह चुन लेते हैं। सहयोग, सेवा-भावना और आपसी सद्भाव धीरे-धीरे कमजोर पड़ते दिखाई देते हैं। एक समय था जब समाज में भाईचारा, सहयोग और मानवता की भावना अधिक प्रबल थी, जबकि आज व्यक्तिगत स्वार्थ और असहिष्णुता कई बार इन मूल्यों पर भारी पड़ती नजर आती है। हालांकि, यह पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। आज भी दुनिया में अनेक लोग और संस्थाएँ शांति, सेवा और मानवता के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही हैं।

आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने व्यक्तिगत स्तर से छोटे-छोटे प्रयास शुरू करें। दूसरों के प्रति सम्मान, सहानुभूति, सहयोग और संवाद को बढ़ावा दें। यही छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बनते हैं। इस दिवस का मुख्य फोकस शांति और सद्भावना को प्रोत्साहित करना, संस्कृतियों और समुदायों के बीच समझ बढ़ाना, संघर्ष की रोकथाम तथा वैश्विक सहयोग और मानवीय एकता को मजबूत करना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस पूरे विश्व में शांति, सद्भाव और पारस्परिक समझ को सुदृढ़ करने का संदेश देता है।

अंततः यह दिवस हमें सिखाता है कि हमारे छोटे-छोटे सकारात्मक कार्य भी दुनिया में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। जब हम एक-दूसरे की सोच और भावनाओं को समझने लगते हैं, तो विवाद स्वतः कम होने लगते हैं। सार यह है कि यदि हम सभी एक-दूसरे की संस्कृतियों, विचारों और जीवन मूल्यों को समझें, तो वैश्विक भाईचारा और शांति मजबूत हो सकती है, और यह संपूर्ण विश्व एक बेहतर स्थान बन सकता है।

संक्षिप्त समाचार

क्या पूर्व प्रिंस एंड्रयू की गिरफ्तारी से डगमगाएगी राजशाही? 350 साल पहले हुई थी कुछ ऐसी घटना

न्यू साउथ वेल्स, एजेंसी। ब्रिटेन के शाही परिवार के सदस्य एंड्रयू माउंटबैटन-विंडसर (प्रिंस एंड्रयू) की गिरफ्तारी की खबर ने दुनिया भर में हलचल मचा दी है। यह मामला इसलिए बड़ा माना जा रहा है क्योंकि ब्रिटिश इतिहास में बहुत कम बार ऐसा हुआ है कि किसी शाही सदस्य पर सीधे कानून का शिकंजा कसता दिखा हो। इतिहासकार बताते हैं कि लगभग 350 साल पहले, 1649 में राजा चार्ल्स-आइ को गिरफ्तार कर मुकदमा चलाया गया था और बाद में उन्हें फांसी दी गई थी। उस घटना के बाद कुछ समय के लिए ब्रिटेन में राजशाही ही खत्म हो गई थी। इस वजह से अब एंड्रयू की गिरफ्तारी की तुलना उसी ऐतिहासिक घटना से की जा रही है- हालांकि इस बार स्थिति उतनी गंभीर नहीं है। आज का दौर अलग है, पहले मीडिया शाही परिवार के निजी मामलों को छिपाता था। अब सोशल मीडिया और डिजिटल पत्रकारिता के कारण हर बात तुरंत सार्वजनिक हो जाती है। जनता का भरोसा अब छवि और पारदर्शिता पर टिका है। एंड्रयू पहले से ही कई विवादों में रहे थे- जैसे अमीर लोगों से नजदीकी, कैश-फॉर-एक्सेस विवाद और निजी नेटवर्किंग के आरोप शामिल हैं। इसलिए उनकी गिरफ्तारी ने शाही परिवार की छवि को और झटका दिया है।

पूर्वी प्रशांत महासागर में अमेरिकी सेना की कार्रवाई, ड्रग तस्करी में शामिल एक और नाव ध्वस्त; तीन की मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत महासागर में एक और नाव पर हमला किया है, जिस पर ड्रग्स की तस्करी करने का आरोप था। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी सेना के साउदर्न कमांड के मुताबिक, यह नाव उन रास्तों से गुजर रही थी जिन्हें ड्रग तस्करी के लिए जाना जाता है। सेना का दावा है कि नाव नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल थी। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में नाव पहले समुद्र में तैरती दिखती है और फिर अचानक विस्फोट के साथ आग लग जाती है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका लैटिन अमेरिका के ड्रग कार्टेल के साथ सशस्त्र संघर्ष में है। इन हमलों को उन्होंने ड्रग्स की तस्करी रोकने के लिए जरूरी कदम बताया है। वहीं, आलोचकों और विशेषज्ञों ने कई सवाल उठाए हैं और कहा कि ट्रंप सरकार ने यह साबित करने के लिए कम सबूत दिए हैं कि मारे गए लोग नार्को-टेररिस्ट थे। कई विशेषज्ञ कहते हैं कि अमेरिका में फैलने वाला खतरनाक ड्रग फेंटेनाइल ज्यादातर जमीन के रास्ते मेक्सिको से आता है, समुद्र से नहीं। पहले हमले में घायल बचे लोगों पर दोबारा हमला करने की घटना के बाद इसे कानूनी और नैतिक रूप से गलत बताया गया। एक तरफ जहां रिपब्लिकन नेताओं ने इसे कानूनी और जरूरी कार्रवाई बताया। वहीं डेमोक्रेटिक नेताओं और कानून विशेषज्ञों ने इसे हत्या या युद्ध अपराध तक कहा।

बांग्लादेश में नई संसद पर सवाल, 43 नव-निर्वाचित सांसदों पर हत्या के मुकदमे

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में हाल में संपन्न 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव के बाद नई सरकार के गठन से पहले ही उसकी साख पर सवाल उठने लगे हैं। एक प्रमुख नागरिक संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, नव-निर्वाचित 43 सांसदों पर हत्या (धारा 302) के मामले दर्ज हैं, जिससे राजनीतिक शुचिता और जवाबदेही को लेकर बहस तेज हो गई है। सुशासनर जनो नागरिक (शुजान) द्वारा जारी आंकड़ों का हवाला देते हुए स्थानीय मीडिया डेली स्टार ने शुक्रवार को बताया कि 42 सांसद पहले से ऐसे मामलों का सामना कर रहे थे, जबकि 12 के खिलाफ पुराने और मौजूदा दोनों तरह के आपराधिक मामले दर्ज हैं। कुल मिलाकर 142 सांसद वर्तमान में विभिन्न कानूनी मामलों में घिरे हैं और 185 सांसदों का अतीत में मुकदमों से संबंध रहा है। करीब 95 सांसद ऐसे हैं जिन पर पहले भी और अब भी मामले चल रहे हैं।सबसे ज्यादा मौजूदा मामलों का प्रतिशत बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के सांसदों में पाया गया है। हालिया चुनाव में भारी जीत दर्ज करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के सांसदों में 50 प्रतिशत से अधिक पर वर्तमान में मामले लंबित हैं। दूसरे स्थान पर जमात-ए-इस्लामी है, जिसके लगभग 47 प्रतिशत सांसद कानूनी मामलों का सामना कर रहे हैं।शुजान के मुख्य समन्वयक दिलीप कुमार सरकार ने एक कार्यक्रम में नव-निर्वाचित सांसदों के शपथपत्रों के विश्लेषण का ब्योरा पेश किया। रिपोर्ट के अनुसार, 12वें चुनाव की तुलना में इस बार विजेताओं में कानूनी मामलों में संलिप्तता बढ़ी है। साथ ही उच्च शिक्षित सांसदों का अनुपात भी कम हुआ है। 297 निर्वाचित सांसदों में केवल आठ के पास पीएचडी डिग्री है, 138 स्नातकोत्तर, 93 स्नातक, 20 उच्च माध्यमिक और 17 माध्यमिक स्तर तक शिक्षित हैं। हालांकि चुनाव और जनमत-संग्रह को अधिकांशत: शांतिपूर्ण बताया गया है, लेकिन प्रतिनिधित्व के आंकड़े भी चर्चा में हैं।

भारतवंशी नील कात्याल कौन?: जिन्होंने पलट दिया ट्रंप टैरिफ का पूरा खेल, बने ऐतिहासिक फैसले का चेहरा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक वैश्विक टैरिफ को असंवैधानिक करार देकर बड़ा फैसला सुनाया। इस ऐतिहासिक फैसले के केंद्र में एक भारतीय मूल का नाम उभरा, नील कात्याल। नील ने ही अदालत में ट्रंप के उस कदम को चुनौती दी, जिसमें 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट यानी आइइइपीए का इस्तेमाल कर लगभग सभी व्यापारिक साझेदार देशों पर टैरिफ लगाए गए थे। नील कात्याल ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि राष्ट्रपति ने आपात आर्थिक शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि टैरिफ दरअसल टैक्स होते हैं और टैक्स लगाने का अधिकार केवल अमेरिकी कांग्रेस को है, न कि राष्ट्रपति को। कात्याल ने इन टैरिफ को अन्यायपूर्ण और असंवैधानिक टैक्स बताया। सुप्रीम कोर्ट ने छह-तीन के बहुमत से कहा कि संविधान के तहत टैक्स लगाने की शक्ति कांग्रेस के पास है।

ये कानून के शासन की जीत-कात्याल : फैसले के बाद कात्याल ने कहा कि यह कानून के शासन की जीत है। उनके अनुसार, यह मामला किसी एक राष्ट्रपति के खिलाफ नहीं, बल्कि शक्तियों के संतुलन का है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, संविधान से ऊपर नहीं हो सकता।

किसने दायर किया था मामला : यह मामला छोटे अमेरिकी कारोबारियों द्वारा दायर किया गया था, जिन्हें लगा कि टैरिफ से उनका व्यापार प्रभावित हो रहा है। ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ को राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक दबाव का जरूरी कदम बताया था। लेकिन अदालत ने साफ कहा कि आपात शक्तियों के नाम पर राष्ट्रपति व्यापक टैक्स नहीं लगा सकते।

नील कात्याल के माता-पिता के बारे में जानें : नील कात्याल का जन्म शिकागो में भारतीय प्रवासी माता-पिता के घर हुआ। उनके पिता इंजीनियर और माता डॉक्टर थीं। उन्होंने डार्टमाउथ कॉलेज और येल लॉ स्कूल से पढ़ाई की। वह अमेरिका के कार्यवाहक सॉलिसिटर जनरल रह चुके हैं और सुप्रीम कोर्ट में 50 से अधिक मामलों में पैरवी कर चुके हैं। वह कई बड़े संवैधानिक मामलों में अहम भूमिका निभा चुके हैं।

पहले भी दे चुके ट्रंप को चुनौती : कात्याल वर्तमान में मिलबैंक एलएलपी में साझेदार हैं और जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर में प्रोफेसर हैं। उन्होंने 1965 के वोटिंग राइट्स एक्ट की संवैधानिकता का बचाव किया, ट्रंप के 2017 ट्रैवल बैन को चुनौती दी और कई राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में सरकार का प्रतिनिधित्व किया। वह जॉर्ज फ्लॉयड हत्या मामले में मिनेसोटा राज्य के विशेष अभियोजक भी रह चुके हैं।

कात्याल ने बताई लोकतंत्र की ताकत सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला भविष्य में किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति की आपात आर्थिक शक्तियों के इस्तेमाल पर सीमा तय करता है। कात्याल ने कहा कि एक प्रवासी परिवार का बेटा अदालत में खड़ा होकर कह सकता है कि राष्ट्रपति कानून तोड़ रहे हैं, और अदालत उसे सुनती है, यही लोकतंत्र की ताकत है। यह फैसला अमेरिकी संविधान और शक्तियों के संतुलन के लिए एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

टैरिफ ले नहीं सकता, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर सकता हूं, कोर्ट के फैसले पर बोले ट्रंप

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को शर्मनाक बताया। नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि वह किसी से टैरिफ नहीं ले सकते, लेकिन वह किसी भी देश के साथ व्यापार पूरी तरह बंद कर सकते हैं और उस देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर सकते हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ को अवैध करार देते हुए उसे रद्द करने का आदेश दिया है।

ट्रंप बोले- दूसरे विकल्पों का इस्तेमाल करेंगे : सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जिन चीजों को गलत तरीके से खारिज किया है, उनकी जगह लेने के लिए दूसरे विकल्पों का इस्तेमाल किया जाएगा। हमारे पास विकल्प हैं, बहुत अच्छे विकल्प हैं। इसका मतलब यह हो सकता है कि हमें ज्यादा पैसा मिलेगा। हम ज्यादा पैसा हासिल करेंगे और इससे हम और ज्यादा मजबूत बनेंगे। सुप्रीम कोर्ट द्वारा टैरिफ रद्द करने के फैसले के कुछ घंटे बाद ही ट्रंप ने दुनियाभर के देशों पर 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ लगाने का एलान कर दिया।

ट्रंप ने धारा 122 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए वैश्विक 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। अमेरिकी कानून के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति 150 दिनों तक 15 प्रतिशत तक टैरिफ लगा सकते हैं। इसका इस्तेमाल करते हुए ट्रंप ने 150 दिनों के लिए 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ लगाया है। 150 दिनों के बाद अमेरिकी संसद में प्रस्ताव लाकर इसे आगे जारी रखने या न रखने पर फैसला किया जाएगा।

देशों पर टैरिफ नहीं लगा सकते, लेकिन व्यापार बंद कर सकते हैं : मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, आपको यह दिखाने के लिए कि यह फैसला कितना बेकार है, कोर्ट ने कहा कि मुझे एक डॉलर भी शुल्क लगाने की अनुमति नहीं है। मैं एक डॉलर भी नहीं ले सकता। यह फैसला जरूर उन दूसरे देशों की सुरक्षा के लिए लिया गया होगा, न कि संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए, जिसकी रक्षा उन्हें करनी चाहिए। यही उनका काम है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास उन देशों के साथ किसी भी तरह का व्यापार या कारोबार पूरी तरह बंद करने का अधिकार है। दूसरे शब्दों में, वह व्यापार को खत्म कर सकते हैं। वह उस देश की अर्थव्यवस्था को खत्म कर सकते हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि कौन-सा लाइसेंस कभी बिना शुल्क लिए जारी किया गया है।

मार्च की शुरुआत में चांद की ओर उड़ान भरेगा नासा का मानव मिशन, फ्यूल लीकेज की समस्या दूर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका एक बार फिर चांद की ओर बड़ा कदम बढ़ाने जा रहा है। नासाने पुष्टि की है कि वह 6 मार्च 2026 को अपने अगले मानवयुक्त (क्रूड) चंद्र मिशन को लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। यह फैसला एक महत्वपूर्ण वेट ड्रेस रिहर्सल के सफल होने और पहले सामने आई ईंधन रिसाव (फ्यूल लीकेज) की समस्या को ठीक करने के बाद लिया गया है। क्या होती है वेट ड्रेस रिहर्सल? वेट ड्रेस रिहर्सल असल लॉन्च से पहले की पूरी रिहर्सल होती है। इसमें रॉकेट को लॉन्च पैड पर पूरी तरह तैयार किया जाता है। काउंटडाउन की पूरी प्रक्रिया दोहराई जाती है और रॉकेट में अत्यंत ठंडा ईंधन (सुपर-कोल्ड प्रोपेलेंट) भरा जाता है। पहली रिहर्सल के दौरान इंजीनियरों ने हाइड्रोजन गैस का रिसाव (लीकेज) पाया था। सुरक्षा कारणों से लॉन्च की तैयारी रोक दी गई और विस्तृत तकनीकी जांच शुरू की गई। अब नासाके अधिकारियों के मुताबिक लीकेज की समस्या पूरी तरह ठीक कर दी गई है। हाल ही में हुए नए परीक्षण में ऐसी कोई समस्या दोबारा नहीं मिली। नासा ने अपने बयान में कहा कि

वेट टेस्ट सफल रहा और पहले देखी गई तकनीकी खामियों को दूर कर लिया गया है। अब सभी सिस्टम की गहन समीक्षा की जाएगी। इस मिशन में एसएलएस रॉकेट का इस्तेमाल किया जाएगा। एसएलएस अब तक का नासा का सबसे शक्तिशाली रॉकेट है। यह अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेसक्राफ्ट में बैठाकर चांद की कक्षा तक ले जाएगा। यह मिशन भविष्य में चांद पर स्थायी मानव मौजूदगी की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। लॉन्च से पहले एक अहम बैठक होगी जिसे फ्लाइट रेडीनेस रिव्यू कहा जाता है। यह समीक्षा अगले सप्ताह के अंत तक होने की संभावना है। इसमें मिशन मैनेजर, इंजीनियर और सुरक्षा अधिकारी शामिल होंगे। वेट ड्रेस रिहर्सल और अन्य तकनीकी परीक्षणों के डेटा का विस्तार से विश्लेषण किया जाएगा।

पीएम मोदी महान व्यक्ति, लेकिन भारत को टैरिफ देना ही होगा; कोर्ट के फैसले के बाद ट्रेड डील पर बोले ट्रंप

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक आपातकालीन टैरिफ को अवैध घोषित कर दिया है। टैरिफ के झटके के बाद ट्रंप का का साफ-साफ कहना है कि कोर्ट के हालिया फैसले के बावजूद भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में कोई बदलाव नहीं होगा। यानी ट्रंप के अनुसार भारत पहले की तरह की टैरिफ देता रहेगा। दरअसल, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा टैरिफ रद करने के बाद ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान भारत-अमेरिकी ट्रेड डील को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा, भारत के साथ डील यह है कि वे टैरिफ देंगे। पहले जो स्थिति थी, उससे यह उलट है। प्रधानमंत्री मोदी एक महान व्यक्ति हैं, लेकिन वे अमेरिका के खिलाफ काफी चतुर थे। भारत हमें लूट रहा था। अब हमने एक निष्पक्ष

समझौता किया है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर कुछ नहीं बदलेगा भारत को टैरिफ देना ही होगा, और हमें नहीं देना होगा। ट्रेड डील में कोई बदलाव नहीं होगा।

भारत के साथ मेरे अच्छे संबंध : ट्रंप ने आगे कहा, मुझे लगता है कि भारत के साथ मेरे संबंध अच्छे हैं और हम भारत के साथ व्यापार कर रहे हैं। भारत रूस से तेल प्राप्त कर रहा था और उन्होंने मेरे अनुरोध पर काफी हद तक अपने संबंध तोड़ लिए, क्योंकि हम उस भयानक युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं जिसमें हर महीने 25,000 लोग मर रहे हैं।

फिर दोहराया भारत-पाकिस्तान सीजफायर का दावा : पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने फिर इस दावे को दोहराया कि उन्होंने पिछले साल गर्मियों में टैरिफ का उपयोग करके भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को रोका था। ट्रंप ने कहा, मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध भी रोका। जैसा कि आप जानते हैं, 10 विमानों को मार गिराया गया था। वह युद्ध चल रहा था और शायद परमाणु युद्ध में तब्दील हो जाता। कल ही, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने युद्ध रोककर 3 करोड़ लोगों की जान बचाई।

टैरिफ की धमकी से रुका युद्ध : ट्रंप ने कहा कि मैंने इसे टैरिफ धमकी के जरिए ही रोका। ट्रंप ने कहा कि मैंने चेतावनी दी, देखो, तुम लड़ना चाहते हो, ठीक है, लेकिन तुम संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार नहीं करोगे, और तुम दोनों देशों को 200 प्रतिशत टैरिफ देना होगा। जिसके बाद दोनों देशों ने शांति स्थापित कर ली।

लेबनान में इस्त्राइली हमलों से 12 की मौत, बच्चों समेत 24 घायल; क्षेत्रीय तनाव और गहराया

बेरूत , एजेंसी। मध्य पूर्व में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। लेबनान के पूर्वी बेका घाटी में इस्त्राइल के हवाई हमलों में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 24 लोग घायल हो गए। घायलों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। उसी दिन सैदा शहर के एक फलस्तीनी शरणार्थी शिविर पर हुए अलग हमले में दो और लोगों की जान गई। इन घटनाओं से क्षेत्र में हालात और संवेदनशील हो गए हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार शुक्रवार को बेका घाटी में कई ठिकानों पर हवाई हमले हुए। स्थानीय टीवी फुटेज में एक बहुमंजिला इमारत को निशाना बनते दिखाया गया। हमले के बाद इमारत में आग लग गई और राहत टीमें मलबे में फंसे लोगों की

तलाश करती रहीं। इस्त्राइली सेना ने दावा किया कि उसने हिजबुल्लाह के कमांड सेंटर को निशाना बनाया। हिजबुल्लाह की ओर से तुरंत कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई।

सैदा में शरणार्थी शिविर पर हमला : दिन में पहले सैदा के ऐन अल-हिलवेह फलस्तीनी शरणार्थी शिविर पर भी हमला हुआ। इस्त्राइल ने कहा कि उसने हमास के कमांड सेंटर को निशाना बनाया। हमास ने दो सदस्यों की मौत की पुष्टि की, लेकिन कहा कि कमांड सेंटर पर हमले का दावा कमजोर बहाना है। संगठन ने कहा कि जिस इमारत को निशाना बनाया गया वह विभिन्न फलस्तीनी गुटों की संयुक्त सुरक्षा इकाई की थी। अक्तूबर 2023 में हमास के नेतृत्व में इस्त्राइल पर हुए हमले के बाद गाजा में युद्ध शुरू हुआ। इसके समर्थन में हिजबुल्लाह ने लेबनान से इस्त्राइल पर रॉकेट दागे। जवाब में इस्त्राइल ने हवाई हमले और गोलाबारी की। सितंबर 2024 में यह टकराव व्यापक युद्ध में बदल गया। दो महीने बाद अमेरिका की मध्यस्थता से युद्धविराम हुआ, लेकिन पूरी तरह शांति बहाल नहीं हो सकी। तब से इस्त्राइल लेबनान में नियमित हमले करता रहा है। शुक्रवार के हमलों में मौतों की संख्या असामान्य रूप से अधिक रही। यह उस समय हुआ है जब अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत विफल होती है।

पीएम मोदी के दौरे से उत्साहित इस्त्राइल, नेतन्याहू बोले- भारत बेहद शक्तिशाली और लोकप्रिय देश

येरूसलम, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 और 26 फरवरी को इस्त्राइल के दौरे पर रहेंगे। पीएम मोदी का यह नौ साल बाद इस्त्राइल का दौरा है। इससे पहले उत्साहित उनके इस्त्राइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि भारत बेहद शक्तिशाली और लोकप्रिय देश है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे से उत्साहित उनके इस्त्राइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि भारत बेहद शक्तिशाली और लोकप्रिय देश है। इस्त्राइल अपने सहयोगियों के साथ गठबंधन मजबूत कर रहा है। नेतन्याहू ने बृहस्पतिवार को इस्त्राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के कैडेट के दीक्षांत समारोह में कहा, इस्त्राइल बुराई के खिलाफ निवारक उपाय करता है। इसलिए, क्षेत्र में खतरों को बेअसर करने के लिए आवश्यकतानुसार, समय-समय पर कार्रवाई करेगा। नेतन्याहू ने कहा, हम अपने सहयोगियों के साथ गठबंधन को मजबूत करने के लिए भी कदम उठाएंगे। अगले सप्ताह एक बेहद शक्तिशाली देश के प्रधानमंत्री इस्त्राइल का दौरा करेंगे। नेतन्याहू ने कहा, निश्चित रूप से आप जानते हैं कि कुछ दिन पहले मैं एक और महत्वपूर्ण दौरे से लौटा हूं। यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए चुने जाने के बाद से मेरा सातवां दौरा था। वहां मैंने इस्त्राइल के सबसे पक्के मित्र अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की। उन्होंने दावा किया कि हाल में प्रकाशित अमेरिकी सुरक्षा सिद्धांत में इस्त्राइल दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जिसे अमेरिका आदर्श

सहयोगी बताता है। मालूम हो कि पीएम मोदी के इस्त्राइल दौरे की वैश्विक स्तर पर चर्चाएं है। इस्त्राइल-भारत के बीच मजबूत गठबंधन नेतन्याहू ने इससे पहले रविवार को प्रमुख अमेरिकी-यहूदी संगठनों के अध्यक्षों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी की प्रस्तावित यात्रा का उल्लेख किया था। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा था, संसद को संबोधित करने की तैयारी चल रही है। अगले हफ्ते यहां कौन आ रहा है? नरेंद्र मोदी। नेतन्याहू ने कहा, वर्षों से इस्त्राइल और भारत के बीच एक मजबूत गठबंधन है। हम हर तरह के सहयोग पर चर्चा करने जा रहे हैं। आप जानते हैं, भारत कोई छोटा देश नहीं है। इसकी आबादी 1.4 अरब है। भारत बेहद शक्तिशाली और बेहद लोकप्रिय है। प्रधानमंत्री मोदी 25 फरवरी को दो दिवसीय दौरे पर इस्त्राइल पहुंचेंगे। इस दौरान वह नेसेट (संसद) को संबोधित कर सकते हैं। पीएम मोदी नेतन्याहू और राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात करेंगे। यह पीएम मोदी की इस्त्राइल की दूसरी यात्रा होगी। पहली यात्रा जुलाई 2017 में हुई थी, जो किसी भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा यहूदी राष्ट्र की पहली यात्रा थी।

रूस के खतरे से सतर्क पोलैंड अब सीमा पर बिछाएगा बारूदी सुरंग, कहा- सुरक्षा जरूरी

वारसा, एजेंसी। रूस के खतरे से पोलैंड सतर्क हो गया है। इसी के साथ अब सीमा पर बारूदी सुरंग बिछाएगा। उप रक्षामंत्री पावेल जालेव्स्की ने कहा कि रूस पड़ोसियों के प्रति बहुत आक्रामक इरादे रखने वाला देश है। पोलैंड ने रूस से बढ़ते खतरे का हवाला देते हुए अपनी सीमा पर बारूदी सुरंग बिछाने का एलान किया है। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद मध्य यूरोपीय देश विवादास्पद हथियारों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाले अंतरराष्ट्रीय समझौते से आधिकारिक तौर पर अलग हो गया है। उप रक्षामंत्री पावेल जालेव्स्की ने एपी को बताया, ये बारूदी सुरंग उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के पूर्वी हिस्से में, उत्तर में रूस के साथ और पूर्व में बेलारूस के साथ लगती सीमा पर लगाई जाएंगी। हम रक्षा संरचना का निर्माण कर रहे हैं और सुरक्षा के लिए यह बहुत जरूरी है। पोलैंड को रूस से अपना बचाव करने की जरूरत है। जालेव्स्की ने कहा, रूस एक ऐसा देश है जिसके अपने पड़ोसियों के प्रति बहुत आक्रामक इरादे हैं। उसने खुद कभी अंतरराष्ट्रीय बारूदी सुरंगों पर प्रतिबंध संधि के प्रति प्रतिबद्धता नहीं जताई है। मालूम हो कि फरवरी 2022 से ही रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है। इससे अब तक दोनों पक्षों से हजारों नागरिकों व सैनिकों की जान जा चुकी है। पोलैंड इससे सतर्क है।

ओटावा संधि के तहत बारूदी सुरंगों पर था प्रतिबंध : वर्ष 1997 में बारूदी सुरंग पर प्रतिबंध संबंधी संधि को मंजूरी दी

गई थी। इसे ओटावा संधि के नाम से भी जाना जाता है। यह संधि हस्ताक्षरकर्ताओं को बारूदी सुरंग रखने या बिछाने से रोकती है। कंबोडिया, अंगोला, बोस्निया और हर्जेगोविना सहित देशों के पूर्व संघर्ष क्षेत्रों में इन बारूदी सुरंगों की वजह से नागरिकों को हुई क्षति के मद्देनजर यह संधि अस्तित्व में आई थी।

2016 में नष्ट कर दी थी बारूदी सुरंग : पोलैंड ने 2012 में संधि की पुष्टि की थी। उसने 2016 में अपने सभी बारूदी सुरंग नष्ट कर दी थी। हालांकि, शुक्रवार को उसने संधि से हटने की घोषणा करते हुए कहा कि वह इन हथियारों का निर्माण फिर से शुरू करने की योजना बना रहा है।

यूक्रेन पर हमले के बाद से सतर्क हैं पड़ोसी देश : रूस की तरफ से यूक्रेन पर हमले के बाद से पड़ोसी देश सतर्क हैं और वे अंतरराष्ट्रीय संधि देश में अपनी भागीदारी का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं। पिछले वर्ष वारसॉ ने फिनलैंड, एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया के तीन बाल्टिक राज्यों व यूक्रेन के साथ मिलकर संधि छोड़ने की घोषणा की थी। रूस उन लगभग तीन दर्जन देशों में से एक है जो अमेरिका के साथ कभी भी ओटावा संधि में शामिल नहीं हुए हैं।

मारी जा चुकी हैं पांच हजार से ज्यादा महिलाएं व युवतियां : संयुक्त राष्ट्र महिला जिनेवा तथा मानवीय कार्रवाई की प्रमुख सोफिया कैल्टोर्प ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि फरवरी 2022 में रूसी हमले शुरू होने के बाद से यूक्रेन में 5,000 से अधिक महिलाओं और लड़कियों की मौत हो चुकी है व 14 हजार से अधिक महिलाएं-लड़कियां घायल हुई हैं।

20वां यूक्रेनी क्षेत्र पर रूस का कब्जा, लोग बदहाल : करीब चार वर्षों से जारी संघर्ष के दौरान रूस ने 20 प्रतिशत से अधिक यूक्रेनी क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। इस क्षेत्र में लगभग 30-50 लाख लोग रहते हैं। रूस के नियंत्रण वाले इन क्षेत्रों में लोग आवासीय, जल, ऊर्जा, गर्मी व स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। यहां तक रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने भी डोनेट्स्क, लुहांस्क, खेरसोन व जापोरिजिया क्षेत्र में कई वास्तव में दबाव वाली व अत्यावश्यक समस्याओं को स्वीकार किया है।

टी20 विश्व कपः इंग्लैंड ने श्रीलंका को हराकर सुपर-8 का अपना पहला मुकाबला जीता

पल्लेकेले (एजेंसी)। फिल सॉल्ट के अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के अच्छें प्रदर्शन से इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 के अपने पहले ही मुकाबले में शानदार दमदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 51 रनों से हरा दिया। इस मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 146 रन बनाये। इसक बाद मेजबान लंकाई टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 16.4 ओवर में 95 रनों पर ही आउट हो गयी।

मेजबान श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी का फैसला किया जो सही साबित नहीं हुआ। इंग्लैंड ने खराब शुरुआत के बाद फिल सॉल्ट की 40 गेंदों में 62 रनों की पारी से ठीक स्कोर बना लिया। सॉल्ट ने संयम और आक्रामकता के साथ खेलते हु पारी को संवारा। मध्य क्रम हालांकि टिक नहीं पाया। । श्रीलंकाई गेंदबाज़ों ने अच्छी गेंदबाजी कर इंग्लैंड के अन्य बल्लेबाजों को हावी होने का अवसर नहीं दिया। अंतिम ओवरों में टीम किसी प्रकार 150 के करीब पहुंच पायी।

जीत के लिए 147 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत भी अच्छी नहींरही। पावरप्ले के अंत तक आधी टीम 34 रनोंर पर ही सिमट गयी। जैक्स ने लगातार चार ओवर गेंदबाज़ी करते हुए 22 रन देकर तीन विके लिए। वहीं जोफ्रा आर्चर ने नई गेंद से दो अहम विकेट लिए, जबकि लियाम डॉसन और आदिल रशीद ने भी दबाव बनाये रखा। । कप्तान दासुन शनाका ने 30 रन बनाये पर वह टिक नहीं पाये। आदिल रशीद ने अंतिम विकेट लेकर श्रीलंकाई पारी समेट दी।

अल्काराज़ ने कतर ओपन टेनिस खिताब जीता

दोहा (एजेंसी)। स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ ने कतर ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी अल्कराज ने खिताबी मुकाबल में फ्रांस के अर्थुर फिल्स को सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से हराया। दोनो में ये मुकाबला केवल 50 मिनट तक चला, जिसमें अल्काराज़ का दबदबा रहा।

इस खिताबी जीत के साथ ही अल्काराज़ ने इस साल 2026 में लगातार 12 मैच जीतने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया था। वह चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। अब उनके टूर खिताबों की तादाद बढ़कर 26 पहुंच गयी है। फाइनल में उन्होंने आक्रामक रुख अपनया जिसका फ्रांसीसी खिलाड़ी के पास जवाब नहीं था। खिताब जीतने के बाद उत्साहित अल्काराज़ ने कहा- साल की शुरुआत वाकई बहुत अच्छी रही है। मैं अपने खेल से बेहद खुश हूं और इसी लय को आगे भी बनाये रखना चाहता हूं। अल्काराज की इस फॉर्म को देखते हुए तय है कि वह इस सत्र में आगे भी खिताब जीतकर नये रिकार्ड बनाएंगे।

किसी भी टीम को हल्के से ना लें, इससे आप लक्ष्य से भटक सकते हो : डैरेन सैमी

मुंबई (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने टी20 विश्व कप के सुपर आठ के रविवार को होने वाले मैच से पहले अपने खिलाड़ियों को आगाह किया कि वह जिम्बाब्वे को किसी भी तरह से कम करके आंकने की गलती नहीं करें क्योंकि इससे वह लक्ष्य से भटक सकते हैं। सैमी ने इसके साथ ही कहा कि जिम्बाब्वे को ग्रुप बी में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया जैसी वरीयता प्राप्त टीमों के साथ रखे जाने से अतिरिक्त प्रेरणा मिली होगी और उनका मानना है कि इसी वजह से जिम्बाब्वे ने अपनी क्षमता से बढ़कर प्रदर्शन किया और ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया।

जिम्बाब्वे ने ग्रुप चरण में पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराकर सबको चौंका दिया था। सैमी ने मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, 'ऐसा कम ही होता है कि केवल शीर्ष टीमें ही आगे बढें। मेरी टीम जानती है कि वह विश्व कप में खेल रही है। कल हमारा मुकाबला जिम्बाब्वे से है, फिर दक्षिण अफ्रीका से और उसके बाद भारत से।' उन्होंने कहा, 'हमारे सामने पिछले विश्व कप के दो फाइनलिस्ट हैं। अगर आपको जीतना है तो आपको अपने सामने मौजूद चुनौतियों का सामना करना होगा। इसे हल्के में न लें, किसी को भी कम न समझें। अगर आप अन्य चीजों पर ध्यान देते हैं तो आप लक्ष्य से भटक सकते हैं।'

सैमी ने जिम्बाब्वे के ग्रुप चरण में शानदार प्रदर्शन के बारे में कहा कि उसे वरीयता नहीं मिली थी जिससे वह अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हुआ। उन्होंने कहा, 'जिम्बाब्वे ने वही किया जो उसे करना चाहिए था। अगर हमें वरीयता नहीं मिली होती या ऐसा कुछ होता और मैं देखता कि यह व्यक्ति (एक प्रतिद्वंद्वी) वहां खेलने जा रहा है तो इससे मुझे प्रेरणा मिलती।' सैमी ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि जिम्बाब्वे ने उस टीम को देखकर प्रेरणा और प्रोत्साहन हासिल किया होगा और उसी तरह से खेला होगा। लेकिन (टीमों को वरीयता देने के मामले में) मैं व्यवस्था के दृष्टिकोण से भी समझता हूं। प्रशंसकों को आश्वासन देने की कोशिश करना जरूरी है।'

भारत ए ने बांग्लादेश ए को हराकर दूसरी बार महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स खिताब जीता

बैंकॉक (एजेंसी)। तेजल हसनबिस के अर्धशतक से भारत ए टीम ने यहां खेले गये एशिया कप महिला राइजिंग स्टार्स के फाइनल में बांग्लादेश ए को 46 रनों से हराकर खिताब जीता है। भारत की ओर से तेजल ने 34 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाये। वहीं इसके बाद लेग स्पिनर प्रेमा रावत ने भी 12 रन देकर तीन विकेट लिए।

इस मैच में भारत ए ने एक समय 44 रन पर 4 विकेट खो दिये थे पर इसके बाद हसनबिस ने कप्तान राधा यादव के साथ पारी को संभाला। राधा ने 30 गेंदों पर 36 रन बनाये। इन दोनो के बीच पांचवें विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी हुई। इससे भारत ए टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 134 रन तक पहुंची। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ए टीम टिक नहीं पायी और 19.1 ओवर में 88 रन पर ही आउट हो गयी। बांग्लादेश ए टीम भारतीय गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पायी। उसने लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरुआत में ही 12 रन पर अपना पहला विकेट खो दिया। तेज गेंदबाज साइमा ठाकोर ने इश्मा तंजीम को पेवेलियन भेजा। वहीं इसके बाद प्रेमा ने शमीमा सुल्ताना को आउट कर दिया। इसके बाद एक के बाद एक विकेट गिरते चले गये।

धवन ने सोफी शाइन से की दूसरी शादी

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन दूसरी बार दूल्हा बने हैं। धवन ने आयरलैंड की सोफी शाइन के साथ दूसरी शादी रचाई। उनकी शादी में रिश्तेदार और करीबी दोस्त शामिल हुए। धवन ने अपनी शादी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया में भी साझा की हैं। इसके साथ ही उन्हें बधाइयां मिलने लगीं। अभिनेता रणवीर सिंह ने भी धवन के अलावा अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने इस जोड़े को बधाई दी है। रणवीर ने धवन को बधाई देते हुए लिखा, बधाई और भगवान का आशीर्वाद बना रहे भाई, । वहीं कॉमेडियन सुनील ग्रोवर ने लिखा, बधाई हो पाजी और भाभी जी, अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने दिल वाली इमोजी बनाई। वहीं क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने भी दोनो को बधाई दी है। धवन जहां शेरवानी में वहीं सोफी खूबसूरत लहंगे में नजर आई। शादी की तस्वीरों में दोनो ही बेहद खुश दिखे। धवन और सोफी की सगाई जनवरी में हुई थी। इसके बाद से ही शादी की तैयारी चल रही थी। इनकी सगाई की तस्वीरों को भी प्रशंसकों ने काफी पसंद किया था। ये दोनो ही पिछले काफी सयम से रिलेशनशिप में थे। धवन की पहली शादी ऑस्ट्रेलिया की आयेशा मुखर्जी से हुई थी जिनसे उन्हें एक बेटा जोरावर है। धवन और आयशा के बीच आठ साल के बाद तलाक हो गया था। उसके बाद से ही शिखर अकेले पड़ गये थे।

पाकिस्तान को सेमीफानल में पहुंचने सुपर–8 के दोनो मैच जीतने होंगे

कोलंबो । आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर–8 में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच हुए पहले मुकाबले के बारिश के कारण रद्द होने के बाद ही दोनो ही टीमों को एक–एक अंक मिले हैं। ऐसे में अब दोनो ही टीमें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बचे हुए दोनो ही मैच जीतने पूरी ताकत लगा देंगी। पाकिस्तान के आगे जाने की संभावनाएं अब बचे हुए मैचों के परिणामों पर आधारित रहेंगी। पाकिस्तान को अब अंतम चार में पहुचने न केवल देनो ही मैच जीतना होगा बल्कि ये भी देखना होगा कि उनका रन रेट बेहतर रहे। 24 फरवरी को पाकिस्तान की टीम को इंग्लैंड से खेलना है और उसके लिए ये मुकाबला आसान नहीं रहेगा। इंग्लैंड एक ऐसी टीम है जो किसी भी दिन मैच का पासा पलट सकती है। इसके बाद पाक को संयुक्त रुप से मैच का आयोजर कर रही श्रीलंका से 28 फरवरी को अपना अंतिम सुपर 8 मुकाबला खेलना होगा। अगर पाकिस्तान इंग्लैंड से हार जाता है, तो यह मैच उसे हार हाल में बड़े अंतर से जीतना होगा। भी पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना बढ़कर 56.25 फीसदी हो गयी है। वहीं इंग्लैंड और श्रीलंका, जिन्हें अभी बड़े मैच खेलने हैं, उनकी जीत की संभावना घटकर 43.75 फीसदी पाक के पास अब अधिकतम 5 अंक तक पहुंचने का मौका है।

अपनी तकनीक में बदलाव नहीं करुंगा : अभिषेक

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 विश्वकप में असफल रहे हैं। वह अपने तीनों ही मैचों में खाता नहीं खोल पाये हैं। इसके बाद भी अभिषेक का कहना है कि वह आगे भी अपना खेलने का अंदाज नहीं बदलेंगे भले ही शून्य पर आउट हो जायें। भारतीय टीम अब लीग में जीतकर सुपर–8 में पहुंच गयी है। ऐसे में अभिषेक पर अब रन बनाने का दबाव है। अभिषेक वह पहली ही गेंद से आक्रामक खेलने का प्रयास करते हैं और इसी में कभी–कभी विकेट गंभव देते हैं। ग्रुप स्तर पर वह तीन पारियों में सिर्फ आठ गेंद ही खेल पाए। आंकड़े भी उनके खराब फॉर्म को दिखाते हैं। वह अपनी पिछली सात पारियों में पांच बार शून्य पर आउट हुए हैं. कुल मिलाकर, 40 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में से छह में वह बिना रन बनाए पवेलियन लौटे हैं। वहीं इससे उबरने अभिषेक लगातार ट्रेनिंग में मेहनत कर रहे हैं, जिससे अपना फार्म वापस पा सकें। उन्होंने अपने पर दबाव से इंकार करते हुए कहा 卐मैं बस अपनी बल्लेबाजी का मजा लेता हूं, मैंने दो साल पहले दबाव लेना बंद कर दिया क्योंकि मुझे समझ आ गया कि प्रक्रिया मेरे हाथ में है। अभ्यास और ट्रेनिंग मैं नियंत्रित कर सकता हूं, और उसी पर ध्यान देता हूं। मुझे यह पसंद है, इसलिए कोई दबाव नहीं है। 卐अभिषेक जानने है कि हर खिलाड़ी के करियर में ऐसा समय आता है। इसलिए मौजूदा खराब दौर के बाद भी वह अपनी तकनीक में बदलाव नहीं करेंगे क्योंकि इसी ने टी20 में उन्हें नंबर–1 बनाया है। इस बल्लेबाजन ने कहा ' करियर में हमेशा उतार–चढ़ाव आते हैं। कभी रन बनते हैं, कभी नहीं. लेकिन मैंने तय किया है कि मैं अपने तरीके से ही खेलूंगा।'

रिटायरमेंट की अफवाहों पर फुल स्टॉप, आईपीएल 2026 में फिर दिखेगा 'कैप्टन कूल' का जलवा

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के प्रशंसकों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। चेन्नई सुपर किंग्स के CEO कासी विश्वनाथन ने पुष्टि कर दी है कि दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज़ एमएस धोनी आईपीएल 2026 में खेलते नजर आएंगे।

लगातार उठ रही रिटायरमेंट की अटकलों के बीच यह आधिकारिक बयान सामने आया है, जिससे साफ हो गया है कि धोनी एक और सीजन 'येलो जर्सी' में दिखाई देंगे। कासी विश्वनाथन ने स्पष्ट कहा, 'एमएस धोनी आईपीएल 2026 सीजन के लिए उपलब्ध हैं।'

सीएसके के साथ धोनी की विरासत

धोनी का चेन्नई सुपर किंग्स के साथ सफर ऐतिहासिक रहा है। उनकी कप्तानी में टीम ने 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में आईपीएल खिताब जीते। 44 वर्ष की उम्र में भी उनका खेल और फिटनेस फैंस को चौंकाते रहे हैं।

2008 से अब तक धोनी सीएसके के स्तंभ रहे हैं। उन्होंने 272 मैचों में 5314 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 2019 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ नाबाद 84 रन रहा।

कप्तानी का लंबा सफर

धोनी ने 244 मैचों में टीम की कप्तानी की, जिसमें 145 जीत दर्ज कीं। उनका जीत प्रतिशत 59.42 रहा है।

2022 में कप्तानी रवींद्र जडेजा को सौंपी गई थी, लेकिन टीम के खराब प्रदर्शन के बाद धोनी को बीच सीजन में दोबारा जिम्मेदारी संभालनी पड़ी। 2024 में ऋतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया गया। 2025 में गायकवाड़ के चोटिल होने पर धोनी ने फिर टीम की कमान संभाली, हालांकि वह सीजन टीम के लिए कठिन रहा।

2026 के लिए रिटेंशन और बड़े बदलाव

आईपीएल 2026 के लिए धोनी को 4 करोड़ रुपये में अनकैप्ड प्लेयर नियम के तहत रिटेन किया गया है। उनके साथ रिटेन खिलाड़ियों में ऋतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, डेवॉल्ड ब्रेविस और नूर अहमद शामिल हैं।

बड़े बदलाव के तहत रवींद्र जडेजा और सैम करन को राजस्थान रॉयल्स में ट्रेड किया गया है। वहीं चेन्नई ने राजस्थान रॉयल्स से संजू सैमसन को अपने साथ जोड़ा है, जिससे टीम की बल्लेबाजी को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

आईपीएल 2026 के लिए सीएसके की पूरी टीम

कार्तिक शर्मा, प्रशांत वीर, अकील हुसैन, एमएस धोनी, ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, आयुष म्हात्रे, डेवॉल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, उर्विल पटेल, नूर अहमद, नाथन एलिस, श्रेयस गोपाल, खलील अहमद, रामकृष्ण घोष, मुकेश चौधरी, जेमी ओवरटन, गुरजपनीत सिंह और अंशुल कंबोज।

पांड्या ने बेटे अगस्त्या को उपहार में दी करोड़ों की एसयूवी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अपनी महंगी जीवनशैली के लिए जाने जाते हैं। वह हमेशा महंगी घडियां पहने दिखते हैं। इसी कड़ी में अब हार्दिक ने अपने पांच साल के बेटे अगस्त्या को करोड़ों की एसयूवी कार उपहार में दी है। पांड्या का सर्बियाई अभिनेत्री नताशा स्टैनकोविक से तलाक हो गया है पर बेटे का ध्यान दोनो ही मिलकर रहते हैं। अगस्त्या की कस्टडी हालांकि नताशा को मिली है पर हार्दिक उनसे मिलते रहते हैं। इतने छोटे से बेटे को करोड़ों की एसयूवी कार उपहार में दिये जाने से लोग हैरान दी क्योंकि उनके बेटे की उम्र अभी खिलौनों से खेलने की है। सोशल मीडिया पर हार्दिक के अपने बेटे अगस्त्या और पूर्व पत्नी नताशा स्टैनकोविक को दिए गए उपहार की तस्वीर वायरल हो रही है। इसमें हार्दिक का बेटा और नताशा लैंड रोवर डिफेंडर कार लेते दिख रहे हैं। तस्वीर में वेलकम नोट पर साफ–साफ लिखा हुआ है पापा टू अगस्त्या।

मेस्सी की मौजूदगी में MLS चैंपियन इंटर मियामी को मिली पहले मैच में हार

लॉस एंजिलिस । स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की मौजूदगी के बावजूद इंटर मियामी ने MLS कप में अपने खिताब के बचाव का अभियान हार के साथ किया। इंटर मियामी को अपने पहले मैच में लॉस एंजिलिस एफसी (LAFC) से 3–0 से हार का सामना करना पड़ा। विजेता टीम की तरफ से डेविड मार्टिनेज, डेनिस बुआंगा और नाथन ऑर्डाज़ ने गोल किए। बुआंगा ने मैच के बाद कहा, 'वह मैच हमेशा खास होता है जिसमें मेस्सी खेलते हैं। हम मेस्सी की मौजूदगी में मियामी को हराना चाहते थे। इस मैच के लिए प्रत्येक खिलाड़ी का मनोबल बढ़ा होता है।' इस मैच को देखने के लिए ऐतिहासिक लॉस एंजिल्स मेमोरियल कोलिज़ियम स्टेडियम में 75,673 दर्शक उपस्थित थे। दर्शकों ने घरेलू टीम की शानदार जीत का जश्न मनाया और मेस्सी को खेलते हुए देखने का भरपूर आनंद लिया। मेस्सी ने इस महीने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के बावजूद पूरा मैच खेला।

फ्लॉयड मेवेदर जूनियर ने पेशेवर रिंग में वापसी के संकेत दिए

नई दिल्ली । मुक्केबाजी के दिग्गज फ्लॉयड मेवेदर जूनियर ने एक बार फिर पेशेवर मुक्केबाजी में वापसी के संकेत दिए हैं। मेवेदर ने कहा कि वह आधिकारिक पेशेवर मुकाबला लड़ने पर विचार कर रहे हैं, जिससे मुक्केबाजी की दुनिया में हलचल मच गई है। 2017 में कॉनर मैकग्रेगर को हराकर 50–0 का रिकॉर्ड बनाने वाले मेवेदर ने उस मुकाबले के दसवें राउंड में टीकेओ से जीत दर्ज की थी और तुरंत बाद संन्यास की घोषणा की थी। हालांकि, संन्यास के बाद भी मेवेदर पूरी तरह रिंग से दूर नहीं रहे। उन्होंने पेशेवर मुक्केबाजों, एमएमए फाइटर्स और सेलिब्रिटीज़ के खिलाफ कई प्रदर्शनी मुकाबले लड़े। अगस्त 2024 में मेक्सिको में उनका मुकाबला जॉन गोटी तृतीय से हुआ था। अब 2026 में मेवेदर 59 साल के माइक टायसन के साथ मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं। यह मुकाबला अप्रैल 2026 में कांगो में प्रस्तावित है और इसे बॉक्सिंग इतिहास के सबसे चर्चित आयोजनों में से एक माना जा रहा है। दोनों फाइटर्स की संयुक्त उम्र 100 वर्ष से अधिक है, लेकिन फैंस के बीच इस इवेंट को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। मेवेदर ने कहा कि उनके इवेंट्स से प्राप्त गेट रेवेन्यू, वैश्विक दर्शक संख्या और कमाई शायद ही कोई और फाइटर हासिल कर सके। टायसन के साथ प्रस्तावित मुकाबला उनकी संभावित वापसी की दिशा में पहला कदम हो सकता है। यदि यह आधिकारिक मुकाबला बनता है, तो यह लगभग नौ साल बाद मेवेदर की पहली पेशेवर फाइट होगी। पांच अलग–अलग वेट डिवीजन में विश्व चैंपियन रह चुके मेवेदर का करियर ऐतिहासिक रहा है। टायसन के खिलाफ होने वाला मुकाबला तय करेगा कि 48 साल के मेवेदर का पेशेवर मुक्केबाज के रूप में भविष्य कैसा होगा। हालांकि, उनके फैंस रिंग में उनकी वापसी देखने के लिए उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि यह मुकाबला मेवेदर के करियर को एक नया अध्याय दे सकता है।

आज कनाडा, अमेरिका सहित कई देशों से खेल रहे भारतीय मूल के खिलाड़ी : प्रधानमंत्री मोदी

सैंटोस (ब्राज़ील) (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में विदेशी टीमों से खेलते हुए नाम देश का नाम रौशन कर रहे भारतीय मूल के खिलाड़ियों की प्रशंसा की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज टी20 विश्वकप क्रिकेट को ही देख लें। इसमें खेल रहे दुनिया भर के कई देशों में भारतीय मूल के खिलाड़ी नजर आ रहे हैं जो वहां की टीमों से खेलते हुए दोनो देशों का नाम रौशन कर रहे हैं। उन्होंने इस दौरान कनाडा से खेल रहे दिलप्रीत बाजवा, अमेरिका से खेल रहे मोनांक पटेल सहित कई खिलाड़ियों का नाम लिया। प्रधानमंत्री ने कहा, जो खेले वो खिले, खेल हमें जोड़ता भी है। आजकल आप टी-20 विश्व कप के मैच देख रहे होंगे। इस दौरान किसी भारतीय को दूसरे देश की जर्सी पहने भी आपने देखा होगा। उसका नाम सुनकर आपकों लगता है कि ये तो अपने देश का है, तब दिल में खुशी भी होती है कि भारत से बाहर जाकर भी वह वह उस देश की ओर से खेलता है, जहां उसका परिवार बस गया है। वे अपने-अपने देशों की जर्सी पहनकर मैदान में उतरते हैं और पूरे मन से उस देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। साथ ही कहा, कनाडा की टीम क ही देख लें, इसमें सबसे ज्यादा भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं। टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा का जन्म पंजाब के गुरदासपुर में हुआ था। नवनीत धालीवाल चंडीगढ़ के हैं। इस सूची में हर्ष ठाकर और श्रेयस मोआ जैसे कई खिलाड़ी शामिल हैं, जो कनाडा के साथ-साथ भारत का भी गौरव बढ़ा रहे हैं। अमेरिका टीम में शामिल कई खिलाड़ी भारत के घरेलू क्रिकेट से निकले हुए हैं। अमेरिकी टीम के कप्तान मोनांक पटेल ने गुजरात की ओर से खेला हैं। मुंबई के सौरभ, हरमीत सिंह, और दिल्ली के मिलिंद कुमार अमेरिकी टीम से खेल रहे हैं।

इसके अलावा ओमान की टीम में भी कई भारतीय हैं जो पहले भारत के अलग-अलग राज्यों से खेले हैं। जतिंद्र सिंह, विनायक शुक्ला, करन, जय और आशीष जैसे खिलाड़ी ओमान क्रिकेट टीम से खेलते हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड, यूएई और इटली की टीमों में भी भारतीय मूल के कई खिलाड़ी हैं। ये भारतीय देश से बाहर जाने के बाद भी देश का गौरव बढ़ा रहे हैं और वहां के युवाओं के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। भारतीयता की यही तो विशेषता है, वह जहां भी जायें, अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं। इसी के साथ ही वह जिस देश में रहते हैं, वहां के विकास के लिए सहयोग में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

युवराज सिंह की बायोपिक करना चाहते हैं सिद्धांत चतुर्वेदी

अपनी आगामी फिल्म ' दो दीवाने सहर में' को लेकर चर्चा में बने अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर अपने उस ड्रीम रोल के बारे में खुलकर बात की है, जो सालों से उनके दिल के बेहद करीब है। जी हाँ, अपने करियर की शुरुआत क्रिकेट पर आधारित वेब सीरीज़ 'इनसाइड एज' से करनेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर क्रिकेट की तरफ लौटते हुए भारतीय क्रिकेट के दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने की इच्छा जताई है। बायोपिक के संदर्भ में सिद्धांत कहते हैं, 'मैं वर्ष 2019 से कहता आ रहा हूं और आज भी कहूंगा और कहूंगा, बल्कि इसे मैनिफेस्टभी करता हूँ एक दिन मुझे मशहूर क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने का मौक़ा मिले। उनकी जर्नी एक रोलरकोस्टर की तरह वाकई अविश्वसनीय रही है। मुझे वे न सिर्फ क्रिकेटर के तौर पर पसंद हैं, बल्कि व्यक्तित्व भी उनका शानदार है। मैं उनके क्रिकेट के साथ उनकी लाइफस्टाइल, और समस्याओं के प्रति उनके जज्बे को सलाम करता हूँ, जिस तरह उन्होंने परेशानियों को मात दी। वाकई वे एक आइकन हैं, और दुनिया को उनकी कहानी ज़रूर जाननी चाहिए।'

बतौर अभिनेता अपने हर किरदार में गहराई और सच्चाई दिखानेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी की इस बात को सुनकर उनके दर्शक सहज ही कल्पना कर सकते हैं कि जब वे उनके क्रिकेट आइडल की भूमिका निभाएंगे तो वह कितना शानदार होगा। यही वजह है कि अब सिद्धांत के साथ उनके फैंस भी ये मैनिफेस्ट कर रहे हैं कि सिद्धांत जल्द से जल्द युवराज सिंह की भूमिका में नज़र आएं क्योंकि युवराज सिंह की भूमिका वही कलाकार निभा सकता है, जिसमें स्टार प्रेज़ेंस के साथ-साथ भावनात्मक संवेदनशीलता भी हो और इस कसौटी पर सिद्धांत पूरी तरह खरे उतरते हैं। वैसे बायोपिक की बात करें तो सिद्धांत जल्द ही दिग्गज फिल्ममेकर 'वी. शांताराम' का चुनौतीपूर्ण बायोपिक में नज़र आनेवाले हैं और इसके फर्स्ट लुक के साथ ही वे अपने दर्शकों की सराहना भी पा चुके हैं। फिलहाल अपने करियर में वास्तविक जीवन से जुड़ी, विरासत-प्रधान कहानियों के प्रति अपने जुड़ाव को सिद्धांत जिस खूबसूरती से मजबूत करते जा रहे हैं, इससे ये विश्वास और पक्का हो जाता है कि अगर कभी युवराज सिंह की बायोपिक बनी, तो उसके लिए सिद्धांत चतुर्वेदी एकदम परफेक्ट कलाकार होंगे।

राजकुमार राव के समर्थन में उतरीं पत्नी पत्रलेखा; आलोचकों को दिया जवाब

हाल ही में अभिनेता राजकुमार राव को उनके बढ़े हुए वजन को लेकर ट्रोल किया गया था। लोगों ने उन्हें बूढ़ा तक कह डाला था। इसके बाद बीते दिन राजकुमार राव ने आलोचकों को जवाब देते हुए वजन बढ़ाने का कारण भी बताया था। अब अभिनेता की पत्नी व एक्ट्रेस पत्रलेखा ने राजकुमार राव का सपोर्ट किया है। साथ ही उन्होंने ट्रोलर्स पर भी निशाना साधा है।

पत्रलेखा ने राजकुमार राव की एक पोस्ट को अपनी स्टोरी पर शेयर करते हुए अभिनेता का सपोर्ट किया है। राजकुमार राव पर गर्व जताते हुए पत्रलेखा ने स्टोरी पर अपने नोट में लिखा, 'आप पर बहुत गर्व है। आप हर फिल्म प्रोजेक्ट के लिए अपना सब कुछ देते हैं। दुनिया उस प्रोसेस और मेहनत को नहीं देखती, जो एक एक्टर के किरदार को बनाने में लगाता है। आखिरी नतीजा हमेशा आसान दिखता है। नजर आने वाले सारे फेम और ग्लैमर के पीछे, एक एक्टर की जिंदगी खून, पसीने, आंसुओं और पर्सनल लाइफ के त्याग से भरी होती है।'

'निकम' फिल्म के लिए राजकुमार ने बढ़ाया वजन

हाल ही में राजकुमार राव एक इवेंट में शामिल हुए थे। जहां उनके बदले हुए लुक को देखकर लोगों ने उन्हें ट्रोल किया था और बूढ़ा बता दिया था। इसके बाद राजकुमार राव ने अपने इंस्टाग्राम पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट साझा किया था। इसमें उन्होंने बताया था कि उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'निकम' के लिए 9-10 किलो वजन बढ़ाया है। इसके लिए उन्होंने काफी मेहनत की। एक्टर ने पोस्ट में ये भी बताया था कि उन्हें प्रोस्थेटिक मेकप पसंद नहीं है, इसलिए जहां तक संभव होता है वो अपने शरीर पर मेहनत करते हैं। पोस्ट में राजकुमार राव ने अपनी उन पिछली फिल्मों का भी जिक्र किया, जिनके लिए उन्होंने ट्रांसफॉर्मेशन किया।

नेटफ्लिक्स की फिल्म में नजर आएंगे राजकुमार राव

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'मालिक' में नजर आए थे। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। इसके अलावा उनकी आगामी फिल्मों में नेटफ्लिक्स की फिल्म 'टोस्टर' शामिल है। इसमें उनके साथ सान्या मल्होत्रा और अभिषेक बनर्जी भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके अलावा उनकी पाइपलाइन में दो बायोपिक 'निकम' और पूर्व भारतीय क्रिकेटर सौरव गांगुली की बायोपिक भी शामिल हैं।

सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ सकती है आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा'

यशराज फिल्म्स ने अपने स्पाई यूनिवर्स के जरिए 'टाइगर' फ्रेंचाइज 'पठान' और 'वॉर' जैसी कई पुरुष प्रधान फिल्में बनाईं और दर्शकों का प्यार हासिल किया है। इस यूनिवर्स का हिस्सा आलिया भट्ट और शरवरी वाघ भी बन गई हैं। उनकी महिला प्रधान स्पाई जासूसी फिल्म 'अल्फा' को 2026 में रिलीज किया जाना तय है। हालिया जानकारी में पता चला है कि निर्माता फिल्म को सिनेमाघरों में उतारने की बजाए सीधे ओटीटी पर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक...' आलिया स्टारर 'अल्फा' को सीधे ओटीटी पर रिलीज किया जा सकता है। दरअसल, रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' सिनेमाघरों में बढ़िया प्रदर्शन नहीं कर रही है। इसलिए निर्माता कोई रिस्क नहीं लेना चाहते। हो रही है। बता दें कि इस फिल्म में बॉबी देओल भी दिखाई देंगे। फिल्म में आलिया और शरवरी के साथ बॉबी देओल भी दिखाई देंगे। यह एक्शन फिल्म होगी।

ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बना रहे हैं विवेक अग्निहोत्री?

फिल्म 'कश्मीर फाइल्स' फेम निर्देशक विवेक अग्निहोत्री को लेकर ऐसी चर्चा है कि वे पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। ऐसी अफवाहों पर विवेक अग्निहोत्री ने चुप्पी तोड़ी है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि विवेक, टी-सीरीज के साथ मिलकर ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एक बातचीत में विवेक अग्निहोत्री ने इस टॉपिक पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि वे एक बड़े नेशनलिस्टिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने और डिटेल्स बताने से मना कर दिया। प्रोडक्शन हाउस के करीबी सूत्रों ने बताया, 'भूषण कुमार और विवेक अग्निहोत्री ने अपनी अगली फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए हाथ मिलाया है। इसे टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया जाएगा। विवेक अग्निहोत्री इसके निर्देशन की जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि, विवेक अग्निहोत्री से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बताया। उन्होंने न ही पुष्टि की, न ही खारिज किया।

अब लेखिका बनीं अभिनेत्री आयशा शर्मा

अभिनेत्री आयशा शर्मा अपनी रचनात्मक पहचान को एक नया आयाम दे रही हैं। अब वे पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के साथ बतौर लेखिका डेब्यू कर रही हैं। सोशल मीडिया पर अपनी दमदार मौजूदगी और एक गहराई से जुड़ी कम्युनिटी के लिए जानी जाने वाली आयशा शर्मा ने धीरे-धीरे अपनी एक अलग आवाज़ बनाई है, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। इस किताब के जरिए वह अभिव्यक्ति का एक और रास्ता तलाश रही हैं—एक ऐसा रास्ता जो ठहराव, आत्मचिंतन और भावनात्मक ईमानदारी को जगह देता है। उनकी पहली किताब सौ छोटे-छोटे ध्यानपूर्ण विचारों का संग्रह है, जो ताकत, कोमलता और आत्म-प्रेम के इर्द-गिर्द बुना गया है। रोजमर्रा की भावनाओं से जुड़ी यह किताब खास तौर पर उन लोगों के लिए है जो थकान, आत्म-संदेह और हर वक्त खुद को साबित करने के दबाव से जूझ रहे हैं। यह किताब हल देने का दावा नहीं करती, बल्कि एक ऐसा स्पेस बनाती है जहाँ पाठक खुद को पहचान सकें और एक सुकून भरी तसल्ली महसूस कर सकें। किताब के पीछे की भावना साझा करते हुए आयशा शर्मा कहती हैं, मेरा मानना है कि सही किताब आपको सही समय पर मिलती है। आयशा शर्मा के लिए लेखन उनकी डिजिटल मौजूदगी का स्वाभाविक विस्तार है, जहाँ आत्म-विकास, भावनात्मक संतुलन और अंदरूनी सफर जैसे विषय पहले से ही उनके दर्शकों से गहराई से जुड़ते हैं। यह नया अध्याय उनकी उस कोशिश को दर्शाता है जिसमें वह अभिनय, डिजिटल कहानी कहने और अब लेखन—तीनों के बीच सहजता से सफर करती हुई एक मुकम्मल क्रिएटिव पहचान गढ़ रही हैं।

अक्षय कुमार ने जमकर की आरजे महवश की खिंचाई

'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' शो का लेटेस्ट एपिसोड काफी मजेदार होने वाला है। इस खास एपिसोड में 100 कंटेंट क्रिएटर्स नजर आएंगे, जिनमें आरजे महवश भी शामिल हैं। हाल ही में जारी प्रोमो में अक्षय कुमार, आरजे महवश की दरअसल, महवश पजल को स्क्रीन पर आने से पहले ही सॉल्व करने की कोशिश कर रही थीं। इसे देखकर अक्षय ने मजाक में कहा, 'किसी का बाप नहीं सॉल्व कर सकता... जो सॉल्व कर देगा उसे मैं 1 करोड़ दूंगा...1 करोड़ छोड़ो, अपनी किडनी भी दे दूंगा।' अक्षय की इस बात पर महवश और वहां मौजूद दर्शकों की हंसी झूट गई। महवश ने भी अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर प्रोमो शेयर करते हुए लिखा, 'इस दिन मेरे साथ जितना गलत हो सकता था, सब हुआ।

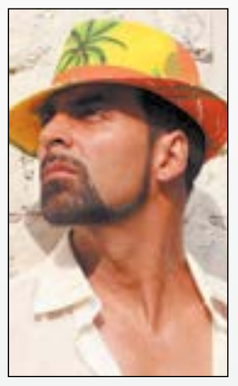

शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के बारे में

मजेदार बातचीत और अक्षय कुमार के मजाकिया अंदाज ने इस एपिसोड को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। अक्षय कुमार का गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे सोनी चैनल पर प्रसारित होता है। इसके अलावा इसे सोनी लिव ऐप पर भी स्ट्रीम किया जा सकता है। शो में प्रतियोगियों को वर्ड पजल्स सॉल्व करने होते हैं और इसके बदले में उन्हें कैश प्राइज जीतने का मौका मिलता है।

सनी लियोनी ने बताया कैसे की 'कैनेडी' की तैयारी

सनी लियोनी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कैनेडी' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित यह फिल्म जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। यह वही फिल्म है जो 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई थी। फिल्म को कई इंटरनेशनल फेस्टिवल्स में काफी सराहना भी मिली है। अब फिल्म भारत में रिलीज को तैयार है। इस बीच बातचीत के दौरान सनी लियोनी ने इस फिल्म, अपने पंद्रह साल के सफर और अपनी बायोग्राफी पर भी चर्चा की।

फिल्म में आपने चार्ली का किरदार निभाया है। कैसा अनुभव रहा?

जब मैं अपने सफर पर नजर डालती हूं तो लगता है कि इतने वर्षों बाद भी 'कैनेडी' मेरे भीतर कहीं न कहीं जिंदा है। मुझे बहुत खुशी है कि यह फिल्म अब ऑडियंस के सामने आने वाली है। मैं इतने समय से इसे अपने भीतर लेकर चल रही थी। अब इसे लोगों तक पहुंचते देखना मेरे लिए बेहद भावुक क्षण है। चार्ली का किरदार अपने आप में एक रहस्य जैसा था। इसमें कई परतें और कई तरह की ऊर्जा थीं। मुझे उसे खुद में उतारना था ताकि वह मेरा हिस्सा बन जाए। निर्देशक अनुराग कश्यप की आवाज और उनका समझाने का तरीका मेरे लिए मार्गदर्शन बनता था। हम रोज काम शुरू करने से पहले पढ़ते और सुनते थे। फिर समझते और कुछ नया खोजते थे।

फिल्म का कौन सा अनुभव सबसे खास रहा?

अनुराग सर ने मुझसे कहा था कि चार्ली की हंसी बिल्कुल वैसी ही चाहिए जैसी वह कल्पना कर रहे हैं। इस हंसी को अपने भीतर लाना मेरे लिए आसान नहीं था। मुझे हर जगह हंसना पड़ता था। कार और लिफ्ट में भी हंसना पड़ता था। सेट पर इतने लोग होते थे कि वे मुझे देखकर सोचते थे कि मैं क्यों हंस रही हूं। कई बार मुझे लगता था कि लोग मुझे पागल समझ रहे होंगे। सच कहूं तो यह बात मुझे और मजेदार लगती थी क्योंकि मुझे मस्ती करना पसंद है और यह चार्ली वाली मस्ती एक अलग तरह की आजादी देती थी। धीरे-धीरे वह हंसी मेरे भीतर बस गई। इससे मैं चार्ली को गहराई से महसूस कर पाई। ये बात मैं कभी भूल नहीं सकती।

क्या अनुराग कश्यप के सामने अपनी बात रखना आसान होता है?

अनुराग कश्यप के साथ काम करते हुए मैं हमेशा सुरक्षित महसूस करती थी। बाहर से लोग सोचते हैं कि वह गंभीर या कठोर होंगे। लोग उनकी फिल्मों या कहानियां देखकर उनके बारे में एक इंटेंस पर्सनालिटी की छवि बना लेते हैं। पर असल में वह बहुत नरमदिल व्यक्ति हैं। उनके सामने बैठकर बात करते समय हमेशा लगता था कि मेरी बात को महत्व मिल रहा है। हर कलाकार को यह एहसास नहीं मिलता कि उसे सुना जा रहा है। उन्होंने मुझे वही बनने दिया जो मैं उस पल बनना चाहती थी। यही वजह है कि उनसे जुड़ा हर अनुभव मेरे दिल में खास जगह रखता है।

जब इस फिल्म को कान फिल्म फेस्टिवल में एंट्री मिली तो पहला रिएक्शन क्या था?

उस वक्त जो खुशी मिली थी उसे शब्दों में नहीं बांधा जा सकता। वहां मुझे एक छोटा सा कागज मिला था, जिसमें मेरी सीट का नंबर लिखा था। वही मेरे लिए सबसे बड़ा अवॉर्ड था। उस टिकट को मैंने आज भी एक किताब के भीतर संभाल कर रखा है। सफलता की सबसे बड़ी परिभाषा क्या है? अवॉर्ड्स कितने मायने रखते हैं?

मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां तक पहुंचूंगी

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में जब आप दूसरों की सफलताए देखते हैं, तो मन में एक छोटी सी इच्छा उठती है। लगता है कि काश मुझे भी कोई ऐसा अवसर मिले जिसमें मुझे पहचान मिले। यह भावना हर कलाकार के भीतर होती है और मेरे भीतर भी थी। लेकिन मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि मैं एक दिन यहां बैठकर अपने प्रोजेक्ट के बारे में इस तरह बात करूंगी। 15 वर्ष हो चुके हैं और मैं बहुत खुश हूं कि मैं इस मुकाम पर हूं। मेरे जीवन में ऐसे लोग हैं जो हर कदम पर मुझे ऊपर उठाते हैं और आगे बढ़ने की ताकत देते हैं।

कचीगाम सरपंच फाल्गुनी पटेल ने उत्तर भारतीय हिन्दू समाज प्रीमियर लीग सीजन-1 का कराया शुभारंभ

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 22 फरवरी। कचीगाम क्रिकेट ग्राउंड पर उत्तर भारतीय हिन्दू समाज प्रीमियर लीग सीजन-1 का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर कचीगाम ग्राम पंचायत सरपंच फाल्गुनी पटेल ने मुख्य रूप से उपस्थित रहकर क्रिकेट टूर्नामेंट का विधिवत शुभारंभ कराया। इस क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 10 टीमों ने हिस्सा लिया। क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला आर्यन इलेवन और रितेश इलेवन के बीच खेला गया। जिसमें आर्यन इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 ओवर में 75 का स्कोर बनाया। जिसके जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी रितेश इलेवन लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाई और आर्यन इलेवन ने 8 रन से मुकाबला जीत लिया फाइनल विजेता और उपविजेता टीम को कचीगाम के समाज सेवक रितेश पटेल एवं तनोज पटेल ने ट्रॉफी एवं नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन कैलाश झा, प्रिंस पासवान, रोहन सिंह, आदर्श वर्मा, बालमुकुंद झा द्वारा किया गया था। टूर्नामेंट के समापन अवसर पर जिला पंचायत के पूर्व सदस्य दिनेश धोडी एवं गांव के युवा भी मौजूद थे।

दमण के सार्वजनिक विद्यालय में विश्व मातृभाषा दिवस पर मातृभाषा वंदना कार्यक्रम का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 22 फरवरी। विश्व मातृभाषा दिवस के अवसर पर गुजरात साहित्य अकादमी गांधीनगर की प्रेरणा से स्पंदन परिवार सूरत द्वारा नानी दमण स्थित सार्वजनिक विद्यालय में मातृभाषा वंदना कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर नरेंद्र टंडेल की अध्यक्षता में दमण की बीआरसी को-ऑर्डिनेटर भाविनी देसाई, प्रधानाचार्य दीपक मिस्त्री, सीआरसी को. रोशनीबेन, रेणुकाबेन, जगतापभाई, नवीन पटेल और मेर भईलुभाई उपस्थित रहे। इस दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मातृभाषा के महत्व पर अपने विचार साझा किए। मातृभाषा का गौरवः वक्ताओं ने बताया कि माता की भाषा ही मातृभाषा है। सुप्रसिद्ध कवि रईश मणियार की पंक्तियों के माध्यम से गुजराती भाषा का गौरव गान किया गया। मैंने तेरे नाम का टहका (चहक) यहाँ छाती में रखा है, मिटने कहाँ दिया ककहरा (ककडो), अभी भी पाटी (स्लेट) में रखा है। साहित्यिक चर्चाः कार्यक्रम में उमाशंकर जोशी, किंजल संघवी और निखिता घाडिया की काव्य रचनाओं का विश्लेषण किया गया। साथ ही झवेरचंद मेघाणी, सरदार पटेल, महात्मा गांधी, नरसिंह मेहता, मीराबाई, न्हानालाल, दुला भाया काग, अखा और भोजा भगत जैसे महान कवियों और महापुरुषों को याद किया गया। छात्रों की सहभागिताः उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 150 से अधिक विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम का आनंद लिया। कई छात्रों ने अपनी स्वरचित कविताएं और प्रस्तुतियां देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरा वातावरण मातृभाषा के प्रति भक्ति और उत्साह से भर गया था। अपने विचार प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों और शिक्षकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. संजयभाई, स्पंदन परिवार और सार्वजनिक हाईस्कूल का आभार व्यक्त किया गया। समापन के अवसर पर शिक्षकों ने स्कूल के स्वरचित स्कूल गान का सामूहिक गायन किया। लगभग तीन घंटे तक चले इस सफल कार्यक्रम में मातृभाषा को लेकर दिल से चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन पूर्वी ठाकर द्वारा किया गया।

कचीगाम उच्च प्राथमिक विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी के साथ फन फेयर का हुआ आयोजन

■ कचीगाम ग्राम पंचायत सरपंच फाल्गुनी पटेल ने पहुंचकर विद्यार्थियों का बढाया उत्साह

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 22 फरवरी। कचीगाम उच्च प्राथमिक विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी के साथ फन फेयर का आयोजन किया गया था। इस दौरान स्कूल के विद्यार्थियों ने 80 विज्ञान के प्रोजेक्ट प्रस्तुत किये थे। साथ ही विभिन्न व्यंजन भी बनाकर अपने हुनर का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कचीगाम ग्राम पंचायत सरपंच फाल्गुनी पटेल, एडीई आर. के. सिंह, बीआरसी भाविनी देसाई, सीआरसी रोशनी पटेल, इंचार्ज हेडमास्टर दक्षा बगन ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रोजेक्टों को निहारा और उनकी प्रतिभा को सराहा।

उद्योगपति द्वारा हफ्ता देने से इनकार करने पर मुंह पर कपड़े बांधकर कंपनी तक पहुंच गए टपोरी

■ उद्योगपति अनिल दीक्षित ने सिलवासा पुलिस थाने में तहरीर देकर अपनी और श्रमिकों की सुरक्षा की लगाई गुहार ■ एक बार दादरा नगर हवेली में फिर से उद्योगपतियों से हफ्ता उगाही करने का सिलसिला शुरू होता दिखाई दे रहा है ■ सिलवासा से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित औद्योगिक इकाईयों के ठेकेदारों, ट्रांसपोर्टर और कंपनी संचालकों पर दबिश बनाकर हफ्ता देने पर किया जा रहा है मजबूर

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 22 फरवरी। दादरा नगर हवेली में पिछले एक दशक के बाद फिर से उद्योगपतियों, ट्रांसपोर्टर, स्क्रैप डीलरों, मैनपॉवर सप्लायर, ठेकेदारों और कंपनी संचालकों से दबंगों द्वारा खासकर चुने हुए जनप्रतिनिधियों द्वारा हफ्ता देने के लिए दबिश देने की घटनाएं आए दिन सुनाई दे रही है। इसी तरह पिछले दिनों उद्योगपति और ठेकेदार अनिल दीक्षित को भी मसाट से सरपंच के नाम से फोन करके पंचायत कार्यालय पहुंचकर सेटलमेंट करने और हफ्ता देने की धमकी दी गई और अनिल दीक्षित द्वारा ऐसा नहीं करने पर शाम के समय कंपनी में पहुंचकर 8 से 10 दबंगों द्वारा मुंह पर कपड़ा बांधकर मजदूरों को धमकाने का मामला सामने आया है। खुलेआम मजदूरों को कंपनी में नहीं घुसने की धमकी देने की घटना प्रकाश में आने के बाद अनिल दीक्षित ने 21 फरवरी 2026 को सिलवासा पुलिस थाने में पहुंचकर लिखित में तहरीर देकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन से उन्हें और उनके श्रमिकों को सुरक्षा देने की गुहार लगाई है। अनिल दीक्षित द्वारा पुलिस में दी गई तहरीर के अनुसार बताया गया है कि वे सिलवासा रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड के नाम से मसाट गाँव स्थित टफ्रूप्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में पिछले तीन वर्षों से मजदूर के रूप में कार्यरत हूँ और अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा हूँ। मेरी कंपनी के 110 श्रमिक टफ्रूप्स प्राइवेट लिमिटेड में मेरे श्रम अनुबंध के तहत कार्यरत हैं। टफ्रूप्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधक मुनेश्वरनाथ मोदी हैं। कंपनी ने रोहित शर्मा को श्रमिकों को उनके कार्यसूची और शिफ्ट के अनुसार काम देने के लिए नियुक्त किया है। 19/02/2026 को सुबह लगभग 10:00 बजे मुझे सुपरवाइजर रोहित शर्मा का फोन आया। उन्होंने बताया कि 18/02/2026 को रात 11:00 बजे दूसरी शिफ्ट के कर्मचारी कंपनी छोड़कर अपने कमरों में जा रहे थे। उसी समय लगभग 15 से 20 कर्मचारियों और लगभग 8 से 10 अज्ञात व्यक्तियों ने उन्हें मसाट कैनबरा कंपनी के पास गोपालानी ग्रोसरी शॉप के पास रोक लिया और धमकी दी कि अगर कंपनी के कर्मचारी और संविदा कर्मचारी कल काम पर नहीं आते हैं, अगर कंपनी संविदा कर्मचारियों की किश्तें तय नहीं करती है, तो वे उन्हें जान से मार देंगे। मैंने इस बारे में कंपनी मैनेजर मुनेश्वरनाथ मोदी को सूचित किया और उन्होंने भी बताया कि उन्हें भी कंपनी प्रबंधन से इसकी जानकारी मिली है। 18/02/2026 को, टफ्रूप्स प्राइवेट लिमिटेड के दूसरी शिफ्ट के संविदा कर्मचारी और कंपनी के कर्मचारी डरे हुए थे और काम पर नहीं आना चाहते थे, इसलिए कंपनी प्रबंधन ने कर्मचारियों को समझाया और वे काम पर चले गए। 29/01/2026 को मेरे मोबाइल नंबर 9924941200 पर मोबाइल नंबर 7990833061 से एक कॉल आई। मुझे मिस्ड कॉल मिली थी, इसलिए मैंने तुरंत कॉल करके उसका नाम पूछा, उसका नाम नीलेश पटेल था। 21/02/2026 मैंने बात की और मसाट सरपंच शैलेष पटेल से बात करने को कहा। मैंने शैलेष पटेल को फोन दिया और शैलेष पटेल ने मुझसे कहा कि मैं मसाट पंचायत में उनसे मिलने आऊं, लेकिन मैं उनसे मिलने के लिए राजी नहीं हुआ। शैलेष पटेल ने मुझसे कहा कि अगर मैं तुम्हारे साथ किस्त नहीं भरूंगा, तो मैं तुम्हारा कंपनी से अनुबंध रद्द करवा दूंगा और तुम्हारे लोगों को कंपनी में काम नहीं करने दूंगा।

इसलिए मैंने फोन काट दिया। उसके बाद शैलेष पटेल से कोई बात नहीं हुई। मुझे लगता है कि नीलेश पटेल और शैलेष पटेल नहीं मिले, उन्होंने लगभग 8 से 10 अज्ञात लोगों को कंपनी में किस्तें वसूलने के लिए भेजा, ठेकाधारकों और कंपनी के कर्मचारियों को काम पर जाने से रोका और उन्हें काम पर न जाने की धमकी दी। अनिल दीक्षित द्वारा दी गई इस तहरीर के बाद दादरा नगर हवेली में उद्योगजगत में हड़कंप मचा है और लोग अब फिर से अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। लेकिन उद्योगपतियों और सभी लोगों का कहना है कि उन्हें प्रशासक प्रफुल पटेल के प्रशासन पर पूरा भरोसा है और दादरा नगर हवेली में एक बार फिर से पुराना जमाना नहीं आ पाएगा और कानून व्यवस्था 10 वर्ष जैसी ही बनी रहेगी।

डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल के नेतृत्व में दमण शहरी विस्तार में आयुष्मान भारत पंजीकरण शिविर का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 22 फरवरी। डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल के नेतृत्व में दमण शहरी विस्तार में आयुष्मान भारत पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। डीएमसी विस्तार में आयोजित शिविर में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना/ वय वंदना योजना, वरिष्ठ नागरिकों (70 वर्ष और उससे अधिक आयु) के पंजीकरण एवं नवीनीकरण की प्रक्रिया पूरी की गई।

दादरा नगर हवेली में मनरेगा श्रमिकों को 6 करोड़ लंबित मजदूरी का मिला भुगतान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 22 फरवरी। केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा-वीबी-जी रामजी) एक अधिकार आधारित प्रमुख ग्रामीण रोजगार योजना के सॉफ्टवेयर प्रोग्राम की आर्थिक व्यवस्था के नवीनीकरण प्रक्रिया के कारण प्रदेश के लगभग 8000 श्रमिकों का वेतन बकाया था। अब करीब 6 करोड़ रुपयों की धनराशि उन श्रमिकों के बैंक खातों में नरेगासॉफ्ट द्वारा जमा करायी गयी है। जिससे श्रमिकों को बड़ी राहत मिली है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सकारात्मक प्रभाव देखा जायेगा। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराना तथा स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना है। यह योजना आजीविका सुरक्षा, जल संरक्षण एवं ग्रामीण आधारभूत संरचना विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में दादरा नगर हवेली की सभी ग्राम पंचायतों में मनरेगा के अंतर्गत विभिन्न विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी कार्यों का व्यापक स्तर पर क्रियान्वयन किया गया है। इनमें प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण से संबंधित कार्य, एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण, पोल्ट्री एवं पशु शेल्टर निर्माण, फार्म पोंड, सोख पिट, चेकडैम डी-सिल्टिंग, मिट्टी-मुरम सड़क, रबल वॉल, अमृत सरोवर, खेल मैदान तथा किचन गार्डन जैसे स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण शामिल है, जिससे पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन एवं ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार हुआ है। मजदूरी प्राप्त होने पर श्रमिकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विभाग के प्रति आभार प्रकट किया और बताया कि समय पर भुगतान मिलने से उनके परिवार के दैनिक खर्च, बच्चों की शिक्षा एवं आजीविका संचालन में सहायता मिली है। ग्रामीणों ने कहा कि मनरेगा उनके लिए रोजगार के साथ-साथ सम्मानजनक जीवन का आधार बन रहा है।

SHREE MACHHI MAHAJAN EDUCATION SOCIETY

Shree Satyanarayan Temple Campus, Kathiria, Nani Daman - 396210

Date.:- 20-02-2026

Requirement of Teaching Staff.

Shree Machhi Mahajan Education Society is conducting interview for the following **Non Grant-in-Aid** posts (Institute wise) as under:

(1) **For Shree Machhi Mahajan English Medium and Higher Secondary School, Nani Daman.**

Sr. No.	Name of Posts	No. of Posts	Educational Qualification
01	Higher Secondary Teacher (Science Stream) (Morning)	01 – Biology (Theory) Teacher	(1) M.Sc. With B.Ed. or its equivalent from a Recognized Board / University. (2) Fluency in English is mandatory.
02	Primary Teacher (Afternoon) (English Medium)	02 – All Subjects	(1) P.T.C. or its equivalent from a Recognized Board / University. (2) D.El.Ed. (Diploma in Elementary Education) (3) Fluency in English is mandatory.
03	Upper Primary Teacher (Morning) (English Medium)	01 – English & Social Studies Teacher 01 – English & Social Studies (Six Months Leave Vacancy) 01 – Physical Education Teacher	(1) B.A. With B.Ed. / D.El.Ed.or its equivalent from a Recognized Board / University. (2) Fluency in English is mandatory.

1. Eligible candidates may submit in the chamber of Shree Machhi Mahajan Education Society a copy of bio-data and original certificates of their Educational/Professional and experience along with Xerox copy of the certificate duly self attested and Passport Size Photo on or before **28-02-2026**
2. The date for interview will be informed later.

(Kantilal Dhanjibhai Pamsi)
Chairman,
Shree Machhi Mahajan Education Society,
Shree Satyanarayan Temple Campus, Kathiria,
Nani Daman – 396 210.

૧૧મી પુણ્યતિથિએ શ્રદ્ધાંજલિ

સ્વ. મકનભાઈ છગનભાઈ હળપતિ

જન્મ તા. ૦૧-૦૩-૧૯૬૨
સ્વ. તા. ૨૩-૦૨-૨૦૧૫

વર્ષો વીતશે, વીતશે કાળ અમાપ.
હૈયાના કણકણમાં છો, સદાય સજીવન આપ.
સાથ છોડીને સર્વનો, વસ્યા પ્રભુને આવાસ.
શાંતિ પામો સર્વદા, એજ અમારી આશ.
પ્રભુ આપના દિવ્ય આત્માને શાંતિ અર્પે એજ પ્રાર્થના.

લિ.
ગં.સ્વ. સુધાબેન મકનભાઈ હળપતિ
તથા સમસ્ત પરિવાર
પરકોટા શેરી, નાની દમણ

સ્વામીः मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)